लखनऊ

गुरुवार, 11 सितम्बर, 2025

वर्ष : 11 । अंक: 62

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

सांप घर पर दिखाई दे तो लोग डंडों से मारते हैं, और यदि साँप शिव लिंग पर दिखाई दे तो दूध पिलाते हैं, लोग सम्मान आप का नहीं, आप के स्थान और स्थिति का करते हैं

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi

NIGHT 26° Low

कब्जामुक्त कराएं जमीन, दबंगों को सिखाएं कानूनी सबक: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया है कि गरीबों की जमीन पर यदि किसी ने कब्जा किया है तो तत्काल कब्जामुक्त कराने के साथ दबंगों को कानूनी सबक सिखाया जाए। किसी जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले और कमजोरों को उजाड़ने वाले बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ विधि सम्मत कड़ा एक्शन लिया जाए। सरकार किसी के भी साथ अन्याय नहीं होने देने और हर व्यक्ति के जीवन में खुशहाली लाने को संकल्पित है।

मुख्यमंत्री योगी बुधवार को गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार के बाहर कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक वह खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं।

उन्होंने इस दौरान करीब 200 लोगों से मुलाकात कर सबको आश्वस्त किया कि किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ सीएम ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ति की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

जनता दर्शन में एक महिला ने दबंगों द्वारा जमीन कब्जा किए जाने की शिकायत की। इस पर मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद प्रशासन व पुलिस के अफसरों को निर्देशित किया कि जमीन कब्जा की शिकायत पर त्वरित एक्शन लिया जाए। जमीन कब्जामुक्त होनी चाहिए। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी दबंग किसी की जमीन पर कब्जा न करने पाए।

मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण कराकर शासन में उपलब्ध कराया जाए। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को उन्होंने पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ति के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए।

जनता दर्शन में कुछ लोगों के साथ उनके बच्चे भी आए थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें दुलारकर आशीर्वाद दिया। उनका नाम और स्कूल जाने के बारे में पूछा और अपने हाथों से चॉकलेट देते हुए खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया। जनता दर्शन में अपनी बच्ची के साथ आई एक महिला को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समझाया कि बच्ची का स्कूल में एडमिशन कराएं। स्कूल में सबकुछ फ्री है।

संक्षेप

ट्रंप ने पीएम मोदी को बताया 'बहुत अच्छा दोस्त', ट्रेड वार्ता फिर से शुरू करने की घोषणा; प्रधानमंत्री ने दिया ये जवाब

नई दिल्ली/वाशिंगटन। भारत के साथ रिश्तों में तनाव कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि उनके प्रशासन ने व्यापार वार्ता फिर से शुरू कर दी है। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किया, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका, दोनों देशों के बीच व्यापार बाधाओं को दूर करने के लिए बातचीत जारी रखे हुए हैं। ट्रंप ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना 'बहुत अच्छा दोस्त' भी बताया और कहा कि वह 'आने वाले हफ्तों में' उनसे बात करने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे दोनों महान देशों के लिए एक सफल निष्कर्ष पर पहुंचने में कोई कठिनाई नहीं होगी। ट्रंप का यह ताजा बयान अमेरिका की ओर से हाल ही में आई नरमी के बाद आया है। प्रधानमंत्री ने ट्रंप के पोस्ट को एक्स पर शेयर करते हुए लिखा, भारत और अमेरिका करीबी दोस्त और नेचुरल पार्टनर्स हैं। मुझे भरोसा है कि हमारी व्यापार वार्ताएं भारत-अमेरिका साझेदारी की असीमित संभावनाओं का रास्ता प्रशस्त करेंगी। हमारी टीमें इन चर्चाओं को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए काम कर रही हैं। मैं राष्ट्रपति ट्रंप से बात करने के लिए भी उत्सुक हूं। हम दोनों देशों के लोगों के लिए एक उज्जवल और समृद्ध भविष्य सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करेंगे।

नसीआर में थमी बारिश, अब बढ़ेगा पारा, तेज धूप और उमस करेगी परेशान

नोएडा। दिल्ली-एनसीआर में लगातार कई दिनों से हो रही हल्की बारिश और बादलों का असर अब धीरे-धीरे खत्म होता नजर आ रहा है। भारतीय मौसम विभाग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, आने वाले दिनों में बारिश की संभावना बेहद कम है और मौसम शुष्क रहेगा। आसमान में हल्के बादल जरूर छाए रहेंगे, लेकिन लोगों को बारिश से राहत नहीं मिलने वाली है। इसके विपरीत अब तापमान में इजाफा होगा और उमस के साथ-साथ तेज धूप लोगों को परेशान करेगी। मौसम विभाग के मुताबिक, 15 सितंबर तक एनसीआर के अलग-अलग इलाकों में अधिकतम तापमान 33 से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया जाएगा। वहीं, न्यूनतम तापमान 24 से 25 डिग्री सेल्सियस तक रहेगा। ह्यूमिडिटी का स्तर 55 से 75 प्रतिशत के बीच रहने की संभावना है। इसका सीधा असर यह होगा कि सुबह और शाम के समय उमस लोगों को परेशान करेगी, जबकि दिन में धूप चुभने लगेगी। 12 सितंबर तक आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, लेकिन किसी भी तरह की तेज बारिश की संभावना नहीं है। 13 सितंबर को आसमान सामान्य रूप से बादलों से घिरा रहेगा, हालांकि उसके बाद यानी 14 और 15 सितंबर को मौसम साफ रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने साफ किया है कि इस दौरान किसी तरह की चेतावनी जारी नहीं की गई है यानी तेज बारिश या आंधी-तूफान की संभावना नहीं है। लंबे समय तक बारिश न होने के कारण दिल्ली-एनसीआर में तापमान में लगातार बढ़ोतरी होगी। 34 डिग्री तक पहुंच चुका अधिकतम तापमान आने वाले दिनों में लोगों को उमस और पसीने से परेशान करेगा।

कानपुर में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर, ग्रामीण सुरक्षित स्थानों पर पहुंचे

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कानपुर। कानपुर में गंगा नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है, जिसके कारण सदर तहसील के निचले इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई है। प्रशासन की तरफ से ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है।

नदी का जलस्तर बढ़ने से कई गांवों में पानी आ गया है, इससे ग्रामीणों को अपने घर छोड़कर सुरक्षित ठिकानों पर जाना पड़ा है। लोग अपने साथ अपने पशुओं को भी लेकर सुरक्षित जगहों की ओर जा रहे हैं। अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, वित्त एवं राजस्व, विवेक चतुर्वेदी ने कहा, पिछले कुछ दिनों में गंगा नदी का जल स्तर बढ़ गया है। यहां से, हम इसे सुखलागंज में गेज का उपयोग करके मापते हैं, जहां हमारा चेतावनी स्तर 113 मीटर है। वर्तमान में, गंगा का स्तर चेतावनी स्तर से ऊपर है।

उन्होंने कहा कि परिणामस्वरूप, हमारे मुख्य क्षेत्र के कुछ गांव प्रभावित हुए हैं, और इनमें से कुछ गांवों में पानी घुस गया है। परिणामस्वरूप, कुछ परिवार हमारे राहत शिविरों में आ गए हैं, जो अब पूरी तरह से कार्यात्मक हैं। बताया कि प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य तेजी से चल रहा है। सीएमओ और तहसील की टीमें चौबीसों घंटे काम कर रही हैं ताकि ग्रामीणों को हरसंभव मदद मिल सके। बाढ़ को देखते हुए 34 चौकी बनाई गई है। उन्होंने कहा कि बाढ़ पीड़ितों के लिए सभी जरूरी इंतजाम किए गए हैं, जिसमें पीने का साफ पानी, भोजन, रहने के लिए सुरक्षित जगह, बायो टॉयलेट और पशुओं के लिए चारा और आश्रय शामिल है। एडीएम ने ग्रामीणों से अपील की है कि अगर उन्हें किसी भी चीज की कमी महसूस हो, तो वे मौके पर मौजूद प्रशासनिक अधिकारियों से संपर्क करें ताकि उनकी समस्या का तुरंत समाधान किया जा सके। बाढ़ राहत चौकियों पर अधिकारी और बचाव दल लगातार तैनात हैं। वहीं प्रशासन द्वारा प्रभावित इलाकों की निगरानी ट्रैक्टर, नावों और स्टीमर बोट से लगातार की जा रही है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में फंसे हुए लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला जा सके। प्रशासन का कहना है कि वे हर स्थिति पर नजर रखे हुए हैं और लोगों को सुरक्षित रखने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

भारतीय छात्रों को कनाडा से झटका : 2025 में 80प्रतिशत वीज़ा आवेदन खारिज, अब इस देश की तरफ बढ़ा रुझान

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका की ट्रंप सरकार द्वारा प्रवासी छात्रों और एच-1बी वीजा धारकों पर सख्ती के बाद अब कनाडा ने भी भारतीय छात्रों के लिए वीज़ा प्रक्रिया कड़ी कर दी है। कनाडा की इमिग्रेशन, रिफ्यूजीज एंड सिटिजनशिप कनाडा के अनुसार, 2025 में 80 प्रतिशत भारतीय छात्र वीज़ा आवेदनों को खारिज कर दिया गया है, जो पिछले एक दशक में सबसे अधिक है। कनाडा सरकार के आंकड़ों के अनुसार, 2024 में केवल 1.88 लाख भारतीय छात्रों को ही एडमिशन मिला, जबकि यह संख्या दो साल पहले लगभग दोगुनी थी। इस गिरावट का असर वहां के कॉलेजों में नामांकन पर भी पड़ा है। कनाडा में वीज़ा अस्वीकृति दर बढ़ने के पीछे कई कारण बताए जा रहे हैं, जिनमें प्रमुख कारण आवासीय सुविधा की भारी कमी, बुनियादी ढांचे पर बढ़ता दबाव स्थानीय राजनीति का असर, नए और सख्त वीज़ा नियम हैं। अब वीज़ा आवेदन करने वाले छात्रों को कम से कम 20,000 कनाडाई डॉलर की वित्तीय जानकारी प्रस्तुत करनी होगी। साथ ही विस्तृत अध्ययन योजना और भाषा परीक्षा के प्रमाणपत्र भी आवश्यक होंगे। इस बदलाव के चलते भारतीय छात्रों का रुझान अब कनाडा और अमेरिका से हटकर अन्य विकल्पों की ओर बढ़ रहा है। खासतौर पर जर्मनी एक नया प्रमुख शैक्षणिक गंतव्य बनकर उभरा है। एडटेक कंपनी अपग्रेड की ट्रांसनेशनल एजुकेशन (ञ्जहश्व) रिपोर्ट 2024-25 के अनुसार जर्मनी को 31 प्रतिशत छात्रों ने अपनी पहली पसंद बताया है, जबकि 2022 में यह आंकड़ा केवल 13.2 प्रतिशत था। कनाडा की पसंदीदगी 2022 के 18 प्रतिशत से घटकर 2024 में केवल 9 प्रतिशत रह गई। अमेरिका में भी भारतीय छात्रों के आवेदनों में 13 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। दूसरी ओर, पश्चिम एशिया भारतीय छात्रों के लिए एक व्यवहारिक और सुलभ विकल्प बनकर उभर रहा है। दुबई और कतर के एजुकेशन सिटी में जॉर्जटाउन, जॉन्स हॉपकिन्स, आरआईटी, कार्नेगी मेलॉन और वेइल कॉर्नेल जैसे अमेरिकी विश्वविद्यालयों के सैटेलाइट कैंपस मौजूद हैं।

जमानत न मिलने पर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे उमर खालिद, हाई कोर्ट के फैसले को दी चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। शरजील इमाम और गुलफिशा फातिमा के साथ अब उमर खालिद ने भी दिल्ली दंगों की बड़ी साजिश मामले में जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। खालिद ने दिल्ली हाई कोर्ट के 2 सितंबर के आदेश को चुनौती दी है जिसमें उन्हें और आठ अन्य लोगों को जमानत देने से इनकार कर दिया गया था।

उमर खालिद ने आज (बुधवार 10 सितंबर) वकील एन साई विनोद के जरिए जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। खालिद ने याचिका में दिल्ली हाई कोर्ट के 2 सितंबर के उस आदेश को चुनौती दी है जिसमें उनके साथ ही शरजील इमाम, अतहर खान, खालिद सैफी, मोहम्मद सलीम खान, शिफा उर रहमान, मीरान हैदर, गुलफिशा फातिमा और शादाब अहमद को जमानत देने से इनकार कर दिया गया था। हाई कोर्ट ने जमानत याचिकाओं को खारिज करते हुए कहा था कि विरोध के नाम पर हिंसा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं है। जस्टिस नवीन चावला और जस्टिस शलिंदर कौर बेंच ने फैसले में कहा 'नागरिकों द्वारा विरोध या प्रदर्शन की आड़ में किसी भी षड्यंत्रकारी हिंसा की अनुमति नहीं दी जा सकती। ऐसी कार्रवाइयों को राज्य मशीनरी द्वारा नियंत्रित किया जाना चाहिए, क्योंकि ये अभिव्यक्ति, भाषण और संघ बनाने की स्वतंत्रता के दायरे में नहीं आतीं'।

अपने आदेश में हाई कोर्ट ने कहा कि प्रथम दृष्टया, पूरी साजिश में इमाम और उमर खालिद की भूमिका गंभीर है, जिन्होंने मुस्लिम समुदाय के सदस्यों को बड़े पैमाने पर लामबंद करने के लिए सांप्रदायिक आधार पर भड़काऊ भाषण दिए। कोर्ट ने कहा कि मुकदमे को स्वाभाविक रूप से आगे बढ़ने की आवश्यकता है, क्योंकि जल्दबाजी में किया गया मुकदमा अभियुक्त और राज्य दोनों के लिए हानिकारक होगा। ये दंगे फरवरी 2020 में नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) को लेकर हुई झड़पों के बाद हुए थे। इन दंगों में 53 लोगों की मौत हो गई और 700 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। उमर खालिद, शरजील इमाम और कई अन्य आरोपियों पर फरवरी 2020 के दंगों के कथित मास्टरमाइंड होने के आरोप में यूएपीए और तत्कालीन भारतीय दंड संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था।

वोटर लिस्ट में गड़बड़ी के आरोपों पर सफाई दे EC, हाई कोर्ट ने याचिका खारिज कर लगाया जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। मद्रास हाई कोर्ट ने 2024 के आम चुनावों में बड़े पैमाने पर मतदाता सूची में हेराफेरी के आरोपों को स्पष्ट करने के लिए भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) को निर्देश देने की मांग वाली एक जनहित याचिका (पीआईएल) को खारिज कर दिया। न्यायालय ने मंकहा कि यह याचिका पूरी तरह से गलत है, इसमें ठोस सबूतों का अभाव है और यह पूरी तरह से राजनीतिक दावों और प्रतिदावों पर आधारित है। न्यायालय ने कहा कि याचिका अस्पष्ट है, इसमें कोई ठोस विवरण नहीं है और यह चुनाव आयोग को स्पष्टीकरण जारी करने के लिए बाध्य करने का आधार नहीं हो सकता।

याचिका खारिज करते हुए, न्यायालय ने याचिकाकर्ता पर तमिलनाडु राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण को देय ₹1,00,000 का जुर्माना लगाया। हालाँकि, न्यायालय ने स्पष्ट किया कि उसने आरोपों के गुण-दोष पर कोई राय व्यक्त नहीं की है और चुनाव आयोग इस मामले में अपना निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इससे पहले एक पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन में इन आरोपों को उठाया था। 7 अगस्त को राहुल गांधी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जहाँ उन्होंने दावा किया कि 2024 के लोकसभा चुनाव चुनाव आयोग द्वारा भाजपा को लाभ पहुँचाने के लिए कोरियोग्राफ किए गए हैं, जो उनके अनुसार सत्ता-विरोधी लहर से अप्रभावित प्रतीत होता है।

कर्नाटक के महादेवपुरा विधानसभा में मतदान पर कांग्रेस के शोध को प्रस्तुत करते हुए, राहुल गांधी ने 1,00,250 वोटों की वोट चोरी का आरोप लगाया था। राहुल गांधी के दावों को 'निराधार' करार देते हुए, भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने कहा था कि लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) कानूनी प्रक्रियाओं का लाभ उठाने के बजाय इस मुद्दे को 'सनसनीखेज' बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

ब्रह्मोस-NG भारत की नई पीढ़ी की मिसाइल टेस्टिंग के करीब, रूस की सेना में शामिल हो सकती है, दुनिया में बढ़ी डिमांड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की सबसे ताकतवर सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस अब और आधुनिक रूप लेने जा रही है। ब्रह्मोस एयरोस्पेस ने उत्पादन क्षमता बढ़ाने और निर्यात को तेज करने की बड़ी तैयारी शुरू कर दी है। सूत्रों के मुताबिक नई ब्रह्मोस-एनजी (नेक्स्ट जेनरेशन) मिसाइल 2026 तक टेस्टिंग चरण में पहुंच सकती है। खास बात यह है कि रूस ने भी इसे अपनी सेना में शामिल करने की इच्छा जताई है।कंपनी के डिप्टी सीईओ चिलुकोटी चंद्रशेखर ने बताया कि भारत और रूस मिलकर मिसाइल की लागत घटाने पर काम कर रहे हैं। इसके लिए फैक्ट्रियों की क्षमता बढ़ाई जा रही है। उन्होंने यह भी संकेत दिए कि रूस अपनी सेनाओं के लिए ब्रह्मोस खरीद सकता है। ऑपरेशन सिंदूर में ब्रह्मोस की मारक क्षमता सटीकता ने रूस को भी इस मिसाइल को लेने के लिए प्रेरित किया है।

25 सालों में 1,000 ब्रह्मोस मिसाइलें बनी

पिछले 25 सालों में केवल 1,000 ब्रह्मोस मिसाइलें बनी हैं। यानी औसतन हर साल सिर्फ 25 यूनिट। यही वजह है कि इसकी लागत ज्यादा रही है। अब उत्पादन बढ़ने से दाम घटेंगे और ज्यादा देशों को मिसाइल बेची जा सकेगी।

ब्रह्मोस-एनजी क्यों खास है?

नई ब्रह्मोस-एनजी मौजूदा ब्रह्मोस से हल्की और छोटी होगी।

स्टैंडर्ड ब्रह्मोस का वजन 3,000 किलो है, जबकि एनजी 1,250 किलो से कम होगी।

हल्की होने के कारण यह LCA तेजस और MiG-29 जैसे हल्के लड़ाकू विमानों से भी दागी जा सकेगी।

यह 300 किमी तक के लक्ष्य पर बेहद सटीक वार कर सकेगी।

इसे जमीन, हवा और समुद्र तीनों जगह से लॉन्च किया जा सकेगा। साथ ही पनडुब्बी से दागने का विकल्प भी जोड़ा जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय मांग

मई 2025 में हुए ऑपरेशन सिंदूर में ब्रह्मोस की ताकत ने दुनिया को प्रभावित किया। इसके बाद से 14 देशों ने इसमें रुचि दिखाई है। हालांकि फिलीपींस ने पहले ही भारत से चीन के एग्रेशन को काउंटर करने के लिए अपनी नेवी के लिए ब्रह्मोस मिसाइल खरीदी है।

यूपी में हाई अलर्ट घोषित, नेपाल से जुड़ी हर सोशल मीडिया पोस्ट की हो रही निगरानी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के पीएम के इस्तीफे के बाद सेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के शीर्ष अधिकारियों ने एक संयुक्त अपील की है। उन्होंने लोगों से संयम बरतने और बातचीत के जरिए संकट का समाधान निकालने की अपील की है। उन्होंने कहा, चूंकि राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री का इस्तीफा पहले ही स्वीकार कर लिया गया है, इसलिए हम सभी से संयम बरतने और इस कठिन परिस्थिति में जान-माल को और नुकसान न होने देने की अपील करते हैं।

नेपाल में जारी हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बीच, उत्तर प्रदेश सरकार ने पुलिस प्रशासन को इस हिमालयी राष्ट्र से लगे सभी सात सीमावर्ती जिलों में हाई अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया है। यह कदम प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली द्वारा भ्रष्टाचार और विवादास्पद सोशल मीडिया प्रतिबंध के खिलाफ युवा प्रदर्शनकारियों के नेतृत्व में कई दिनों तक चले हिंसक सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद इस्तीफा देने के बाद उठाया गया है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण ने श्रावस्ती, बलरामपुर, बहराइच, पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, सिद्धार्थनगर और महाराजगंज में चौबीसों घंटे निगरानी, गश्त बढ़ाने और अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की तैनाती के आदेश दिए हैं।

नेपाल में फंसे भारतीय नागरिकों की सहायता के लिए लखनऊ स्थित पुलिस मुख्यालय में एक विशेष नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। एक व्हाट्सएप नंबर सहित तीन हेल्पलाइन नंबर 24×7 चालू रहेंगे – 0522-2390257, 0522-2724010, और 9454401674 (व्हाट्सएप नंबर 9454401674 पर भी उपलब्ध)। एडीजी (कानून व्यवस्था) अमिताभ यश ने कहा यूपी पुलिस राज्य में कानून व्यवस्था बनाए रखने और नेपाल में फंसे भारतीय नागरिकों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

'मेरा मर्डर करना चाहता था कमल... उसे मार डाला', हिस्ट्रीशीटर सनी ने पुलिस को सुनाई हत्याकांड की पूरी कहानी

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। मुरादाबाद में दस सराय पुलिस चौकी के पास हिंदू समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष एवं हिस्ट्रीशीटर कमल चौहान की हत्या के मुख्य आरोपी हिस्ट्रीशीटर सनी दिवाकर को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान दोनों पैरों में गोली मारकर दबोच लिया। मुठभेड़ की यह घटना कटघर क्षेत्र के गोट गांव के जंगल में मंगलवार दोपहर एक बजे हुई। पुलिस ने घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।

पुलिस पूछताछ में सनी ने बताया कि हत्याकांड में उसकी पत्नी पूजा, दोस्त लकी यादव और अनमोल भी शामिल थे। पुलिस ने पूजा को भी गिरफ्तार कर लिया। मंगलवार शाम पुलिस ने पूजा कोर्ट

में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। कटघर के भदौड़ा दुर्गेश नगर निवासी कमल चौहान रविवार की शाम अपने दोस्त विशाल शर्मा के साथ स्कूटी से घर लौट रहा था। दस सराय पुलिस चौकी के पीछे कर्बला मैदान में हमलावरों ने गोली मारकर उसकी

हत्या कर दी थी।

कमल चौहान के भाई संजय ने मोहल्ले में रहने वाले हिस्ट्रीशीटर सनी दिवाकर, मोनू पाल, विक्की दिवाकर, निहाल वाल्मीकि, सुभाष यादव, नकुल यादव के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कराया।

मंगलवार की दोपहर एक बजे पुलिस को सूचना मिली कि सनी कटघर क्षेत्र में गोट के जंगल में मौजूद है। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ने का प्रयास किया तो सनी ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी।पुलिस ने आरोपी सनी के दोनों पैरों में गोली मारकर दबोच लिया।

एसएसपी सतपाल अंतिल और एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने मुठभेड़ स्थल का निरीक्षण किया और फोरेंसिक टीम भी बुला ली। दोनों अधिकारियों ने जिला अस्पताल पहुंचकर सनी दिवाकर से पूछताछ की। एसएसपी ने बताया कि आरोपी ने पूछताछ में अपने साथी लकी यादव और अनमोल, पत्नी पूजा के नाम बताए हैं। इस घटना में यह तीनों भी शामिल थे। पुलिस ने पूजा को भी गिरफ्तार कर लिया है।

गोण्डा के मो . मुनव्वर ख़ान ने किया पुलिसिंग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर अहम शोध

आर्यावर्त संवाददाता

गोण्डा। जनपद में जन्मे एवं स्नातक तक की शिक्षा गोण्डा शहर से ग्रहण कर पूरे देश में जनपद का नाम रोशन करने वाले मो. मुनव्वर ख़ान जो इस समय वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त, आरपीएफ जबलपुर के पद पर तैनात हैं। मो. मुनव्वर ख़ान का शोध लेख "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन पुलिसिंग : ए टेल आप टू फ्यूचर्स" प्रतिष्ठित इंडियन पुलिस जर्नल (डीपीआर एण्ड डी, नई दिल्ली) के जनवरी-जून 2025 अंक में प्रकाशित हुआ है। इस लेख में श्री ख़ान ने आधुनिक पुलिसिंग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती भूमिका और उसकी संभावनाओं पर गहन अध्ययन प्रस्तुत किया है। लेख में बताया गया है कि किस प्रकार एआई के प्रयोग से --फॉरेंसिक जाँच में त्वरित परिणाम,अपराध की पूर्वानुमानित रोकथाम

डेटा एनालिटिक्स द्वारा अपराध नेटवर्क की पहचान तथा जन सुरक्षा व त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। साथ ही उन्होंने अपने शोध में बेंगलुरु पुलिस के एएसटीआर ए एम प्रोजेक्ट और उत्तर प्रदेश पुलिस के क्राइम जीपीटी जैसे उदाहरणों का विश्लेषण करते हुए यह स्पष्ट किया है कि ए आई पुलिस बल की कार्यक्षमता को कई गुना बढ़ा सकता है। साथ ही, उन्होंने डेटा प्राइवेसी, एल्गोरिदमिक बायस और जनता के भरोसे जैसे संवेदनशील मुद्दों को भी रेखांकित करते हुए सुझाव दिया है कि ए आई का इस्तेमाल सुरक्षा, निष्पक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही के सिद्धांतों पर आधारित होना चाहिए।

भारतीय संस्कृति पद यात्रा में गूँजी सनातन की हुंकार, चार माँगों को लेकर उठी आवाज

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। अखिल भारतीय परशुराम एकता समिति की ओर से बुधवार को अयोध्या से प्रारंभ हुई भारतीय संस्कृति पद यात्रा सुल्तानपुर (कुशभवनपुर) की ओर बढ़ी। इस दौरान सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति की रक्षा को लेकर जोरदार हुंकार गूँजी।समिति ने यात्रा के माध्यम से चार प्रमुख माँगें रखीं।जिसमें सुल्तानपुर जिले का नाम पुनः कुशभवनपुर किया जाए। गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिया जाए। देवी-देवताओं के वेश में होने वाले अशोभनीय नृत्यों पर पूर्ण प्रतिबंध लगे।सनातन बोर्ड का गठन किया जाए।अयोध्या–सुल्तानपुर बॉर्डर पर अद्वैत फाउंडेशन ट्रस्ट की ओर से यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। ट्रस्ट प्रमुख राम किशोर पाण्डेय, ट्रस्टी आनंद सावरण और मैनेजर अनूप मिश्र ने पदयात्रा में शामिल अतिथियों का माल्यार्पण व पुष्पवर्षा कर अभिनंदन किया।कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश गौतम ने कहा, सुल्तानपुर का प्राचीन नाम कुशभवनपुर हमारी पहचान है, इसे पुनः स्थापित किया जाना चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष ऋषभ देव शुक्ल ने गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा देने की माँग उठाई। वहीं प्रदेश महामंत्री अनूप कुमार मिश्र ने कहा, सनातन संस्कृति पर कुठाराघात स्वीकार नहीं होगा, अशोभनीय नृत्यों पर प्रतिबंध आवश्यक है।पदाधिकारियों ने प्रभु श्रीराम, भगवान परशुराम एवं गौ माता के स्मृति चिन्ह पर माल्यार्पण कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर राष्ट्रीय महामंत्री नरेंद्र द्विवेदी, सौरभ मिश्र, प्रिंस सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।अद्वैत फाउंडेशन ट्रस्ट की ओर से ज्योति शर्मा, रविन्द्र तिवारी, विवेक वर्मा, मनोज गुप्ता, अभिषेक पाण्डेय, प्रियांशु ओझा, प्रणय चंद्र शुक्ल, विनय सिंह, दीप्ति साहू, शुशील चौधरी, दुर्गेश पाण्डेय, अनिल सिंह, अमर प्रताप सिंह, हर्ष मिश्र, सिद्धार्थ, अमित, अनूप समेत कई सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने में योगदान दिया।

उपभोक्ताओं के हित एवं अधिकारों पर हुई चर्चा

मीरजापुर। राष्ट्रीय उपभोक्ता संरक्षण संगठन के तत्वाधान में कचहरी प्रांगण स्थित जिला बार एसोसिएशन के सभागार में संगोष्ठी एवं प्रदेश अध्यक्ष स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संरक्षण की प्रदेश अध्यक्ष गरिमा सिंह गौतम का आगमन हुआ। इस दौरान जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सुशील कुमार दुबे के द्वारा प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया गया। मंचासीन आए हुए अतिथियों का संगठन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष इंद्रप्रीत सिंह लक्की एवं वरिष्ठ महासचिव अनिल सिंह द्वारा स्वागत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सुशील कुमार दुबे के द्वारा की गई। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से तहसील अधिवक्ता संघ के संरक्षक मनोज उपाध्याय एवं अध्यक्ष रतन बिहारी राणा भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का आयोजन उपभोक्ताओं के हित एवं अधिकारों को लेकर जागरूक करना एवं अधिवक्ताओं के माध्यम से उपभोक्ताओं के हित एवं अधिकारों की रक्षा करने को लेकर चर्चा की गई।

सपा नेता आजम खान को हाईकोर्ट से मिली बड़ी राहत, डुंगरपुर केस में जमानत मंजूर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी के नेता और पूर्व मंत्री आजम खान को बुधवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली। चर्चित डुंगरपुर केस में एमपी-एमएलए कोर्ट ने आजम खान 10 साल की सजा सुनाई थी। सपा नेता ने इसके खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट में आपराधिक अपील दाखिल की थी। अपील लंबित रहने तक जमानत की गुहार कोर्ट से लाई थी। 12 अगस्त को सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। बुधवार को कोर्ट ने आजम खां की जमानत अर्जी स्वीकार कर ली। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति समीर जैन की अदालत ने की।

जेल में बंद सपा के वरिष्ठ नेता आजम खान की याचिका पर फैसला सुनाते बुधवार को उनकी जमानत अर्जी स्वीकार कर ली। हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद 12 अगस्त को फैसला सुरक्षित कर लिया था। रामपुर के चर्चित डूंगरपुर केस से जुड़े एक मामले में आजम खान ने रामपुर एमपी एमएलए कोर्ट से मिली दस साल की सजा के खिलाफ हाईकोर्ट में क्रिमिनल अपील दाखिल की है। इस मामले में ठेकेदार बरकत अली ने भी सजा के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट में क्रिमिनल अपील दाखिल की है।

अपील लंबित रहने तक जमानत देने की लगाई थी गुहार

दोनों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में अपील के लंबित रहने तक जमानत देने की कोर्ट से मांग की थी। इस मामले में ठेकेदार बरकत अली की जमानत अर्जी भी हाईकोर्ट ने मंजूर कर ली है। दोनों की क्रिमिनल अपील पर एक साथ हाईकोर्ट में सुनवाई चल रही है। 30 मई 2024 को रामपुर एमपी- एमएलए कोर्ट ने आजम खान को दस साल की सजा सुनाई थी। एमपी एमएलए कोर्ट से मिली सजा को आज़म खान ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी है। वहीं इस मामले में बरकत अली ठेकेदार को सात साल की सजा सुनाई गई थी। आजम खां की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता इमरान उल्लाह और मोहम्मद खालिद पक्ष रखा।

क्या है डुंगरपुर मामला

डूंगरपुर प्रकरण में अबरार नाम के व्यक्ति ने सपा नेता आजम खान, रिटायर सीओ आले हसन खान और ठेकेदार बरकत अली उर्फ फकीर मोहम्मद समेत तीन लोगों के खिलाफ अगस्त 2019 में रामपुर के थाना गंज में मुकदमा दर्ज कराया था। शिकायतकर्ता अबरार के मुताबिक दिसंबर 2016 में आजम खान, रिटायर सीओ आले हसन खान और बरकत अली ठेकेदार ने उसके साथ मारपीट की थी। घर में तोड़फोड़ और जान से मारने की धमकी भी दी थी। इसके साथ ही उसके मकान को तोड़ भी दिया था।

तीन साल बाद 2019 में अबरार ने थाना गंज में मामला दर्ज कराया था। इस मामले में एमपी एमएलए विशेष कोर्ट ने आजम खान को 10 साल और बरकत अली ठेकेदार को सात साल की सजा सुनाई थी। डूंगरपुर बस्ती में रहने वाले लोगों ने बस्ती को खाली कराने के नाम पर 12 मुकदमे दर्ज कराए थे। लूटपाट, चोरी, मारपीट समेत अन्य धाराओं में रामपुर के गंज थाने में मुकदमे दर्ज हुए थे।

बेटियां भाग न सकें...इसलिए दरवाजे में अंदर ताला लगाकर छिपाई चाबी; तीन बेटियों का कत्ल कर खुद ने भी दी जान

आर्यावर्त संवाददाता

बागपत. बागपत के दोघट के टीकरी कस्बे की पट्टी भोजान में तीन बेटियों की हत्या करने के बाद तेज कुमारी के आत्महत्या करने की घटना की जांच में मंगलवार देर रात तक पुलिस अधिकारी और फोरेंसिक टीमें लगी रहीं। कमरे में शव पड़े होने की स्थिति और शुरुआती जांच में पुलिस को कई अहम जानकारी मिली।

कमरे में बेड पर बड़ी बेटी गुंजन और किट्टो का शव पड़ा था तो छोटी बेटी मीरा का शव पास में चारपाई पर पड़ा था। तेज कुमारी ने खुद बेड पर चढ़कर पंखे से चुनरी बांधकर फंदा बनाया और उसे फंदे से लटककर आत्महत्या की।

इन सभी को देखकर पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया कि तेज कुमारी ने पहले बड़ी बेटी गुंजन को मारा है और उसके बाद किट्टो व मीरा को मौत के घाट उतारा। हालांकि पुलिस का मानना है कि इसकी पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से होगी, मगर शव जिस तरह से पड़े थे, उसको देखकर यही लग रहा था। कमरे में हत्या के दौरान बेटियों के शोर मचाने और बाहर भागने से रोकने के लिए तेज कुमारी ने दरवाजे का अंदर से ताला लगाकर चाबी भी छिपा दी। वहीं कस्बे में इस घटना का पता चलते ही लोगों का जमावड़ा लग गया, मगर पुलिस ने किसी को घर के अंदर नहीं जाने दिया। सभी लोगों को बाहर ही रोक दिया गया। पुलिस ने तीनों बेटियों की हत्या और उसके बाद आत्महत्या में इस्तेमाल की गई चुनरी को कब्जे में ले लिया। एसपी सूरज कुमार राय, एएसपी प्रवीण कुमार व सीओ विजय कुमार ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया।

तीन बेटियों का कत्ल कर मां ने भी दी जान

उत्तर प्रदेश के बागपत जिले से सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक महिला ने तीन मासूम बेटियों का कत्ल कर खुद भी जान दे दी। उसका पति कमरे के बाहर सो रहा था, लेकिन उसे इसकी भनक तक नहीं लगी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जानकारी में जुट गई है।

ग्रामीणों ने पकड़ा मगरमच्छ

नवाबगंज (गोण्डा)। मंगलवार को क्षेत्र के कटराभोगचंद गांव के टेढ़िया पुल के पास आधी रात जब एक घर के पास मगरमच्छ पहुँचा तो ग्रामीणों ने घबराने के बजाय उसे काबू कर लिया। चारपाई का पट्टा और रस्सी लगाकर ग्रामीणों ने पानी के इस शिकारी को कैदी बना दिया। जिसकी तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।वन विभाग के दरोगा अरुण तिवारी ने बताया कि मगरमच्छ को रेस्क्यू कर लिया गया है। अधिकारी के निर्देश पर सुरक्षित नदी मे छोडा जाएगा। जानकारी के मुताबिक, मंगलवार रात करीब 11 बजे सल्लू नामक ग्रामीण के घर के बाहर अचानक हलचल मची। कुत्तों के जोर-जोर से भौंकने पर परिवार बाहर निकला तो देखा कि दरवाजे के पास मगरमच्छ बैठा है। यह नज़ारा देखकर पहले तो परिवार घबरा गया, लेकिन देखते ही देखते आसपास के लोग इकट्ठा हो गए।

गाँव के युवाओं ने हिम्मत दिखाई और रस्सी व चारपाई की पट्टियों की मदद से मगरमच्छ को बाँध दिया।

अवैध असलहे की फैक्ट्री चलाने वाले पिता–पुत्र गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। सीओ लंभुआ के नेतृत्व में कोतवाली लंभुआ के हाथों बड़ी सफलता लगी है। पुलिस टीम ने अवैध असलहे की फैक्ट्री चलाने वाले पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 5 निर्मित और 6 अर्द्ध निर्मित तमंचा बरामद हुए हैं। पुलिस के अनुसार दोनों दो से चार हजार में असलहा बेचकर अपना परिवार चलाते थे। सीओ अब्दुस सलाम ने बताया कि कोतवाली लंभुआ इंस्पेक्टर संदीप राय को सूचना मिली कि क्षेत्र के मठिया शाहगढ़ जंगल में अवैध असलहो की फैक्ट्री चल रही है। यहां छप्पर में असलहे तैयार कर बेचे जा रहे हैं। इस पर कोतवाली टीम के साथ उन्होंने छापेमारी की। पुलिस को अवैध असलहों के साथ इसे तैयार करने वाले उपकरण मिले। पुलिस ने यहां से बाप बेटे को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान कुड़वार के खादर बसंतपुर मझौवा निवासी दीप नारायन व उसके पुत्र अजय कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार कुड़वार के सुरेश नगर चौराहे पर पिता पुत्र ने बेल्डिंग की दुकान कर रखा है। इसी की आड़ में दोनों अवैध असलहे का कारोबार करते थे। पूर्व में कूरेभार फिर कुड़वार में भी अवैध फैक्ट्री चलाते हुए यह गिरफ्तार किए जा चुके हैं। सीओ ने बताया दोनों पिता पुत्र के विरुद्ध विधिक कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है।

भाजपा विकास पर नहीं, बल्कि वोट कटवाने की राजनीति कर रही है : मिठाई लाल भारती

लालगंज, मीरजापुर। समाजवादी अंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिठाई लाल भारती ने कहा कि भाजपा विकास पर ध्यान नहीं देती है, बल्कि वोट कटवाने की राजनीति कर रही है। जिससे समाजवादी पार्टी को नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को सावधान करते हुए कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में सपा इसलिए हारी क्योंकि उसका वोट कटा था। बुधवार को बल्हिया खुर्द स्थित एक मैरिज लान में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि महंगाई पर भाजपा का कोई ध्यान नहीं है। देश का संविधान खतरे में है और लोकतंत्र की हत्या हो रही है। बिहार में भी बड़ी संख्या में वोट काटे गए। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग अब निष्पक्ष नहीं रहा है। जिस पर राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पहले ही सवाल उठा चुके हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनका बसपा से कोई व्यक्तिगत विरोध नहीं है।

समस्याओं और बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर सपा युवजन सभा ने सौंपा ज्ञापन

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। लगातार बढ़ती महंगाई, भ्रष्टाचार और बिगड़ती कानून व्यवस्था के खिलाफ समाजवादी युवजन सभा ने बुधवार को जोरदार प्रदर्शन किया। संगठन के जिलाध्यक्ष शिवमंगल तिवारी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा।ज्ञापन में कहा गया कि डीजल, पेट्रोल और खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों से किसान, मजदूर और गरीब वर्ग त्रस्त है। स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल हैं, वहीं अपराधियों पर सत्ता का संरक्षण होने से कानून व्यवस्था ध्वस्त होती जा रही है।युवजन सभा ने पाँच प्रमुख माँगें उठाईं जिसमें,किसानों को उचित दर पर खाद उपलब्ध कराई जाए और कालाबाजारी पर रोक लगे। किसानों के लिए बिजली की समुचित व्यवस्था हो और जर्जर लाइनें दुरुस्त कराई

जाएं।ग्रामीण क्षेत्रों की टूटी-फूटी सड़कों की मरम्मत कराई जाए।पत्रकारों को स्वतंत्र रूप से कार्य करने का अधिकार मिले और उन पर दबाव न बनाया जाए।कुड़वार थाना क्षेत्र में छात्रा के साथ हुई घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।इस मौके पर कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ज्ञापन सौंपने वालों में जिला महासचिव मोहम्मद आसिफ खान, जिला उपाध्यक्ष सुल्तान खान, मैसाद अहमद, अब्बास, जितेंद्र यादव, अफसर अहमद, प्रशांत मिश्रा, सुनील यादव, हनुमान यादव, अनुभव पांडेय, विवेक निषाद, अजय यादव समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

साइबर ठग पर पुलिस मेहरबान, शिकायत के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई

आर्यावर्त संवाददाता

मीरजापुर। साइबर ठगी को लेकर नए-नए हथकंडे अपनाए जा रहे हैं तो वहीं नित्य नए-नए मामले सामने आते रहते हैं। इससे सुरक्षित रहने के लिए डिजिटल–मीडिया और अन्य प्लेटफार्म के द्वारा ठगो से बचने की हिदायत भी दी जाती है। बावजूद इसके ठगों के छलावे में आकर लोग बहक जाते हैं। जी हां! हम बात कर रहे हैं मिर्जापुर जिले से हुए तकरीबन 200 करोड रुपए की साइबर ठगी की जिसमें शिकायत के बाद भी ठगों पर ठोस कार्रवाई के बजाए इलाकाई पुलिस मेहरबान बनी हुई है। अकेले मीरजापुर जिले में ही सैकड़ों की संख्या में लोगों से करोड़ों रुपए की ठगी की गई है। यहां ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म के ठगों के द्वारा सतर्क होते ही रफू चक्कर हो गए। बताया जा रहा है कि एम.एम कंपनी के ऑनलाइन वेबसाइट बनाकर ₹1 लगाओ ₹100 कमाओ का लालच देकर लोगों से पैसा इन्वेस्ट करने के लिए मिर्जापुर में एम.एम. कंपनी ने यहां के स्थानीय कई लोगों को कर्मचारी के रूप में बकायदे नियुक्त किया था, जिसका आई कार्ड, उनकी नियुक्ति का प्रमाण पत्र उन्हें दिया गया था। जिसे शिकायतकर्ता के द्वारा प्रमाणित रूप से थाने में दिया गया है। बावजूद इसके कार्रवाई के नाम पर अभी तक नतीजा सिफर है। एक शिकायतकर्ता ने बताया कि मिर्जापुर में एम.एम. कंपनी के नाम से एक ऑनलाइन वेबसाइट लॉन्च की गई, जिसका नारा था ₹1 लगाओ, ₹100 कमाओ। इसी लालच में हजारों लोगों ने दांव लगा दिया और फंस गए झांसे में। बताया जाता है कि कंपनी में स्थानीय कर्मचारियों को दिल्ली से ट्रेनिंग देकर बाकायदा आईडी कार्ड जारी किए गए और लोगों को यह विश्वास दिलाया गया कि यह अर्ध-सरकारी संस्था है, जो आरबीआई और जीएसटी के दिशा-निर्देशों के मुताबिक काम करती है।

गर्भवती गूंगी महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म, गर्भनिरोधक गोली भी खिलाई थी...इलाज के दौरान मौत, आरोपी फरार

आर्यावर्त संवाददाता

हमीरपुर। हमीरपुर जिले में कुरारा थाना क्षेत्र के एक गांव में सामूहिक दुष्कर्म की शिकार मंदबुद्धि युवती ने बुधवार तड़के कानपुर के हैलट अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। दो दिन पहले थाना पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज किया था, मगर अब तक एक भी आरोपी पुलिस की गिरफ्त में नहीं आया है।

मूलरूप से इसी गांव की युवती ससुराल में विवाद के बाद मायके में रह रही थी। यहां उसकी जान-पहचान गांव के रामबाबू और मुन्नीलाल से हो गई। परिजनों का कहना है कि उन्होंने कई बार दोनों को चेतावनी दी थी कि बेटी की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है, उससे दूर रहें, लेकिन आरोपियों ने बात नहीं मानी।

गर्भनिरोधक गोलियां भी खिलाईं थीं

कुछ दिन पहले युवती के गर्भवती होने की जानकारी परिजन को हुई, तो उन्होंने रामबाबू से उलाहना दिया। इस पर उसने गालीगलौज कर दी। आरोप है कि बीते रविवार दोपहर करीब दो बजे दोनों आरोपी युवती को बहला-फुसलाकर खेतों में ले गए। वहां उसे गर्भनिरोधक गोलियां खिलाईं और फिर बारी-बारी से दुष्कर्म किया।

दोनों आरोपी अब भी फरार

हालत बिगड़ने पर परिजन उसे जिला अस्पताल ले गए, जहां से उसे कानपुर रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान बुधवार तड़के उसकी मौत हो गई। कानपुर में पोस्टमार्टम के बाद शाम तक शव गांव लाए जाने की संभावना है। उधर, पुलिस ने रामबाबू और मुन्नीलाल के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज किया है, लेकिन दोनों आरोपी अब भी फरार हैं।

सेना के सेवानिवृत्त जवानों को स्वरोजगार से जोड़ने की पहल, उप मुख्यमंत्री ने 9 करोड़ से अधिक का अनुदान प्रदान किया

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को अपने कैंप कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में सेना, नौसेना और वायुसेना के सेवानिवृत्त अधिकारियों व कर्मचारियों को स्वरोजगार से जोड़ने की महत्वपूर्ण पहल का नेतृत्व किया। उन्होंने खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अंतर्गत कार्यरत रीजनल फूड रिसर्च एंड एनालिसिस सेंटर (आर-फ्रैक), लखनऊ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में "सर्टिफिकेट इन बेकरी एंड कन्फेक्शनरी" में 16 सप्ताह का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके 26 आर्मी, 5 नेवी और 1 एयरफोर्स अधिकारी/कर्मचारी को प्रमाण पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम के दौरान चार उद्यमियों को 9 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि अनुदान स्वरूप प्रदान की गई तथा कुछ उद्यमियों को

प्रशस्ति पत्र भी दिए गए।उप मुख्यमंत्री ने प्रशिक्षण प्राप्त जवानों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि देश की रक्षा करने वाले वीर जवानों को नागरिक जीवन में स्वरोजगार हेतु प्रशिक्षित करना गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा से उत्तर प्रदेश सरकार खाद्य प्रसंस्करण और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाएँ चला रही है। प्रशिक्षण प्राप्त जवान न केवल स्वयं आत्मनिर्भर बनेंगे, बल्कि अन्य युवाओं को भी रोजगार देने की प्रेरणा देंगे। उन्होंने कहा कि यह प्रमाण पत्र आत्मनिर्भरता और स्वाभिमान का प्रतीक है और प्रदेश सरकार सैनिकों के अनुशासन और अनुभव को समाज व विकास कार्यों से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। रक्षा मंत्रालय और आर-फ्रैक के सहयोग से यह पहल 'आत्मनिर्भर भारत' और 'विकसित उत्तर प्रदेश' के संकल्प को मजबूत करेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रशिक्षण प्राप्त जवान अपने गांव और क्षेत्र में स्वरोजगार के प्रेरणास्रोत बनेंगे और राष्ट्र निर्माण में योगदान देंगे।श्री मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने 2014 में शपथ ग्रहण के समय देश की अर्थव्यवस्था को ग्यारहवें स्थान पर पाया था, जो आज चौथे स्थान पर पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण कृषि और उद्योग के बीच की सबसे अहम कड़ी है। किसानों का कोई भी उत्पाद बर्बाद नहीं होने देना है। इसके लिए एक चेन तैयार कर उत्पादन बढ़ाना, उचित मूल्य दिलाना और प्रोसेसिंग इकाइयों तक पहुँच सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है। प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र देश में अग्रणी है और इसमें सर्वाधिक इकाइयाँ स्थापित हैं। यह सेक्टर ग्रामीण अर्थव्यवस्था और किसानों की आय वृद्धि का सबसे बड़ा साधन है। हमारा लक्ष्य निवेश, रोजगार और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है। खाद्य प्रसंस्करण से किसान अपने उत्पाद का अधिक से अधिक दाम पाएंगे और सेना का योगदान विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण रहेगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को एक भारत-श्रेष्ठ भारत की दिशा में बड़ा कदम बताते हुए श्री मौर्य ने कहा कि इसे व्यापक स्तर पर लागू किया जाएगा।उप मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सेवानिवृत्त जवान अपने उद्यम स्थापित कर अपने गांव व क्षेत्र के लोगों के लिए प्रेरणास्रोत बनेंगे। वे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत-2047' के संकल्प को साकार करने में उद्योग और स्वावलंबन के माध्यम से राष्ट्र सेवा में योगदान देंगे। उन्होंने सैनिकों का अभिनंदन करते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल उनकी आत्मनिर्भरता को मजबूत करेगा, बल्कि समाज में भी सकारात्मक बदलाव लाएगा।कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण श्री बी. एल. मीणा ने प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में हो रहे उल्लेखनीय कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। विशेष सचिव प्रेरणा शर्मा, निदेशक बी. डी. राम, संयुक्त निदेशक सर्वेश कुमार, उप निदेशक एम. पी. सिंह तथा आर-फ्रैक के निदेशक सुजीत राजभर भी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर सैनिकों के अनुभव को विकास से जोड़ने की पहल का समर्थन किया और इसे आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि बताया।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सेना ने हमेशा देश का मान-सम्मान बढ़ाया है और विकसित भारत के निर्माण में भी उनका बड़ा योगदान रहेगा। उन्होंने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के माध्यम से किसानों के उत्पादों को उचित मूल्य दिलाना हमारी प्राथमिकता है और प्रदेश को खाद्य प्रसंस्करण का हब बनाना हमारी दिशा है। साथ ही उन्होंने कहा कि हमें सभी क्षेत्रों में कार्य कर भारत को एक बड़ा निर्यातक देश बनाना है। सेना के जवानों का यह प्रशिक्षण कार्यक्रम एक भारत-श्रेष्ठ भारत की दिशा में प्रेरक कदम है।कार्यक्रम के अंत में सभी प्रशिक्षणार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी गईं और विश्वास व्यक्त किया गया कि वे अपने जीवन के अगले अध्याय में राष्ट्र का गौरव बढ़ाएँगे। उपस्थित सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और नागरिकों ने मिलकर आत्मनिर्भरता, रोजगार और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का संकल्प लिया। यह आयोजन सैनिकों के जीवन में नई दिशा प्रदान करने के साथ-साथ उत्तर प्रदेश को खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में अग्रणी बनाने की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगा।

आतिशबाजी निर्माण व विक्रय स्थलों का किया निरीक्षण दिये आवश्यक निर्देश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्य अग्निशमन अधिकारी, लखनऊ द्वारा फायर स्टेशन गोसाईंगंज क्षेत्रांतर्गत स्थायी आतिशबाज़ी के विक्रय/निर्माण स्थलों एवं दीपावली के अवसर पर लगने वाली अस्थायी आतिशबाजी की दुकानों के स्थलों का बुधवार को निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता, विस्फोटक पदार्थों का सुरक्षित भंडारण, अग्नि-सुरक्षा दूरी और निकासी मार्ग की स्थिति की जाँच की गई ।

निरीक्षण के दौरान निर्देश दिया कि 1- अग्निशमन यंत्रों सदैव क्रियाशील रखे जाएं । 2- भंडारण निर्धारित सीमा तक ही हो । 3- धूम्रपान व खुली आग पर रोक हो । 4- श्रमिकों को अग्निशमन प्रशिक्षण दिया जाए । 5- आपात निकासी मार्ग हर समय खुला रहे ।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी अंकुश मित्तल ने बताया कि निरीक्षण का उद्देश्य आतिशबाज़ी स्थलों पर अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करना, दुर्घटनाओं की रोकथाम करना तथा आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करना है

लखनऊ में बंद घरों में हुई चोरी का खुलासा, तीन शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

लखनऊ। थाना जानकीपुरम क्षेत्र में बंद घरों में चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले तीन शातिर अभियुक्तों को पुलिस ने गिरफ्तार कर घटना का सफल अनावरण किया है। पुलिस ने चोरी में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिलों सहित चोरी की गई ज्वेलरी बरामद कर ली है। इस कार्रवाई से क्षेत्रवासियों में सुरक्षा का भरोसा बढ़ा है और पुलिस की तत्परता की सराहना की जा रही है।घटना की शुरुआत 2 सितंबर 2025 को हुई थी, जब वादी चिरन्तन सिंह ने थाना जानकीपुरम में रिपोर्ट दर्ज कराई कि अज्ञात चोरों ने उनके घर का मुख्य दरवाजा तोड़कर नगदी, जेवरात, कपड़े और अन्य सामान चोरी कर लिया। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की और क्षेत्र में गश्त करते हुए जानकारी जुटाई। मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने नौवा खेड़ा मंदिर के पास खाली मैदान में अभियुक्तों को पकड़ने में सफलता हासिल की।

लखनऊ जिला संगठन का हुआ विस्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद (रजि.) के जिला कार्यालय, वृंदावन योजना सेक्टर-6 सी, पीजीआई क्षेत्र में बुधवार को लखनऊ जिला संगठन की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र कुमार मिश्रा ने की। बैठक में प्रदेश संगठन मंत्री दिलीप श्रीवास्तव, प्रदेश सचिव दिलीप शुक्ला और श्री राजपूत करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष दुर्गेश सिंह दीपु विशेष रूप से मौजूद रहे।

बैठक में लखनऊ जिला संगठन का विस्तार करते हुए नए पदाधिकारियों की घोषणा की गई। इस अवसर पर मुकेश द्विवेदी को जिला संरक्षक, दिलीप कुमार मिश्र को जिलाध्यक्ष, आशीष कुमार तिवारी, हिमांशु रावत और अमन द्विवेदी को जिला महासचिव, रघुनाथ सिंह को जिला प्रभारी, जय शरण शुक्ला को जिला प्रवक्ता और विमल नारायण सिंह को जिला संगठन महामंत्री नियुक्त किया गया।

जिला संगठन मंत्री के रूप में दिव्यांशु त्रिपाठी और नासिर बेग, जिला उपाध्यक्ष पद पर पार्थ कुमार, हरिओम दीक्षित, शैलेंद्र शुक्ला शीलू, सुमित पांडे सनी, जिला सचिव पद पर अरुण सिंह, आदित्य दीक्षित,अवनीश पांडे, चाँद मोहम्मद, अशोक मिश्रा, नीरज मिश्रा, सुशलेंद्र यादव, युवराज गौतम और शमशेर सिंह को जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अतिरिक्त रोहित दीक्षित को जिला मीडिया प्रभारी,गौरव शुक्ला को आईटी सेल प्रभारी, एडवोकेट मुकेश सिंह को विधिक सलाहकार, रिंकू शर्मा को कोषाध्यक्ष,विनीत मिश्रा को सह-कोषाध्यक्ष बनाया गया। कई अन्य पदाधिकारियों को जिला कार्यकारिणी सदस्य के रूप में शामिल किया गया। कार्यक्रम का संचालन शिवा मिश्रा ने किया। नए पदाधिकारियों का पुष्पगुच्छ व माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र कुमार मिश्रा ने कहा कि पत्रकारों की सुरक्षा और सम्मान परिषद की सर्वोच्च प्राथमिकता है। संगठन जिले से लेकर गांव स्तर तक पत्रकारों की समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास करेगा।

जिलाध्यक्ष दिलीप कुमार मिश्र ने कहा कि लखनऊ जिला संगठन पूरी मजबूती के साथ कार्य करेगा। पत्रकारों की आवाज को दबने नहीं दिया जाएगा। हर पत्रकार साथी के सुख-दुख में परिषद साथ खड़ी होगी और उनके अधिकारों की रक्षा करेगी। बैठक में बड़ी संख्या में पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे।

लखनऊ में शातिर टप्पेबाज गिरफ्तार, पीली धातु के कान के टॉप्स बरामद

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पुलिस आयुक्त लखनऊ के निर्देश पर अपराधियों और वांछित वारंटियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत पश्चिमी जोन की थाना चौक पुलिस ने एक शातिर टप्पेबाज को गिरफ्तार कर उसकी साजिश का पर्दाफाश किया। पुलिस उपायुक्त पश्चिमी तथा अपर पुलिस उपायुक्त पश्चिमी के निर्देशन में सहायक पुलिस आयुक्त चौक के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक चौक के कुशल नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। गिरफ्तार अभियुक्त का नाम आबिद पुत्र शकील अहमद है, जो काशीराम कॉलोनी, हंसखेड़ा थाना पारा का निवासी है और दैनिक मजदूरी कर जीवन यापन करता है। उसके कब्जे से पीली धातु के दो कान के टॉप्स तथा 115 रुपये नगद बरामद किए गए हैं।घटना 09 सितंबर 2025 की सुबह की है, जब वादिनी श्रीमती सुमन पत्नी अजय कुमार धानुक निवासी हुसैनाबाद थाना ठाकुरगंज क्वीन मैरी अस्पताल से अपने घर लौट रही थीं। वह ई-रिक्शे में बैठी थीं, जिसमें दो अन्य व्यक्ति भी सवार हो गए। बातचीत के दौरान उन्होंने अपना नाम क्रमशः आबिद और गणेश बताया तथा अपनी आर्थिक परेशानी बताकर पैसे मांगने लगे। पीड़िता ने कुछ रुपये देने की कोशिश की तो आरोपियों ने मना कर दिया और कहा कि उनके पास पर्याप्त पैसे हैं, लेकिन वे अपने कान का टॉप दे दें, इसके बदले उन्हें रकम दे देंगे। आरोपियों की बातों पर भरोसा कर पीड़िता ने अपना कान का टॉप दे दिया, परंतु कुछ देर बाद जब उसने टॉप को देखा तो उसमें रुपये की जगह कपड़े में सिलकर कागज की गड्डी मिली। स्वयं को ठगा महसूस कर उन्होंने तत्काल थाना चौक में तहरीर दी, जिसके आधार पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने कार्रवाई शुरू की।

लखनऊ में रिकवरी एजेंट की हत्या का पर्दाफाश, दो आरोपी गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। दक्षिणी जोन की थाना बंथरा पुलिस और सर्विलांस सेल की संयुक्त कार्रवाई में ग्राम दादूपुर में हुई रिकवरी एजेंट की हत्या का खुलासा कर दिया गया है। पुलिस ने घटना में शामिल दो शातिर आरोपियों विवेक सिंह और वसीम अली खान को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मृतक के साथ पैसे के लेनदेन और व्यक्तिगत विवाद को लेकर आरोपियों ने हत्या की योजना बनाई थी। पुलिस ने तकनीकी और मैनुअल साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान की और उन्हें घटनास्थल से गिरफ्तार कर लिया।घटना के संबंध में जानकारी देते हुए पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 9 सितंबर 2025 को ग्राम दादूपुर में स्वास्तिक एसोसिएट्स के रिकवरी एजेंट कुनाल शुक्ला का शव मिला था। मृतक के भाई सौरभ शुक्ला की तहरीर पर थाना बंथरा में मुकदमा दर्ज कर लिया गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना बंथरा और सर्विलांस सेल की संयुक्त टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने अथक प्रयासों के बाद तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर विवेक सिंह और वसीम अली खान को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि मृतक का संबंध विवेक सिंह की पत्नी से था, जिससे परिवार में विवाद पैदा हुआ। साथ ही पैसे के लेनदेन को लेकर भी मनमुटाव चल रहा था। आरोपियों ने मिलकर योजना बनाई कि नशे में धुत्त कर मृतक की हत्या कर दी जाए। इसके तहत 8 सितंबर की रात विवेक ने मृतक को शराब पिलाकर नशे में कर दिया और वसीम ने लोहे के सब्बल से उसके चेहरे और सिर पर कई वार कर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद सब्बल और मोबाइल जैसे साक्ष्य छुपाने के लिए पास के खाली प्लॉट और नाले में फेंक दिए गए।पूछताछ में वसीम अली खान ने बताया कि वह कई वर्षों से विवेक के ऑफिस में काम कर रहा था और दोनों परिवारों के बीच संबंध भी अच्छे थे। लेकिन मृतक और विवेक की पत्नी के बीच बातचीत को लेकर विवाद बढ़ता गया। पैसे के लेनदेन को लेकर आपसी मनमुटाव ने स्थिति को और गंभीर बना दिया। वसीम ने बताया कि विवेक सिंह ने योजना बनाकर मृतक को शराब पिलाई और नशे में करने के बाद सही समय पर फोन कर बुलाया। रात करीब साढ़े नौ बजे वसीम ने ऑफिस में प्रवेश कर बेड पर सो रहे मृतक पर लोहे के सब्बल से कई वार किए। खून से लथपथ शव को वहीं छोड़ दिया गया और सब्बल तथा मोबाइल को छुपाने की योजना बनाई गई। पुलिस ने घटनास्थल से सब्बल, खून से सने कपड़े और अन्य साक्ष्य बरामद कर लिए हैं।विवेक सिंह ने पूछताछ में मृतक की वजह से परिवार में बदनामी हो रही थी और पैसे के विवाद भी चल रहे थे। इसी कारण उसने वसीम के साथ मिलकर योजना बनाई कि मृतक को रास्ते से हटाया जाए। घटना की रात मृतक को शराब पिलाकर बेहोश किया गया और उसके नशे की हालत में सोने पर लोहे के सब्बल से हमला कर उसकी हत्या कर दी गई। हत्या के बाद सब्बल और मोबाइल जैसे साक्ष्य छुपा दिए गए ताकि अपराध का सुराग न मिले। पुलिस ने दोनों आरोपियों पर धारा 103(1) बीएनएस के साथ धारा 238क/61(2)क बीएनएस की बढ़ोत्तरी कर कार्रवाई शुरू कर दी है। विवेक सिंह के खिलाफ पहले से ही दो आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें धारा 115(2), 191(2), 351(3) बीएनएस के तहत मुकदमे शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि इस घटना के पीछे की अन्य कड़ियों की भी गहराई से जांच की जा रही है।

संक्षेप

मडियांव में गोली मारकर हत्या का मामला सुलझाया, आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ। थाना मडियांव पुलिस ने एक हत्याकांड का सफल अनावरण करते हुए शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त लाइसेंसी बंदूक और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की गई। घटना ने क्षेत्र में सनसनी फैला दी थी, लेकिन पुलिस की तत्परता और मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।जानकारी के अनुसार, 9 सितंबर 2025 को वादी नितिन मिश्रा ने थाने में तहरीर देकर बताया कि उनके चाचा अरुण कुमार मिश्रा की घर में हत्या कर दी गई। मृतक की हत्या उसकी नौकरानी के पति मनोज पाण्डेय ने की। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने यह कृत्य इसलिए किया क्योंकि उसे शक था कि मृतक और उसकी पत्नी के बीच अवैध संबंध थे।पुलिस ने मुखबिर खास से मिली सूचना के आधार पर 10 सितंबर को आरोपी मनोज पाण्डेय को लोखड़िया गांव के मोड़ के पास से गिरफ्तार किया।

अलीगढ़ में व्यक्ति ने स्वयं पर डाला ज्वलनशील पदार्थ, छह लाख रुपये हड़पने का आरोप

लखनऊ। जनपद अलीगढ़ में मंगलवार को एक व्यक्ति ने स्वयं पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा ली। यह घटना विक्रमादित्य मार्ग तिराहा पर करीब 3:35 बजे सामने आई। योगेंद्र उर्फ बॉबी (48 वर्ष), निवासी टीन वाली मस्जिद के पीछे, भुजपुरा चौकी, थाना कोतवाली नगर, अपने भाई गुड्डू और गांव की एक परिचित महिला के साथ आया हुआ था। इसी दौरान किसी विवाद से क्षुब्ध होकर उसने स्वयं पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा ली। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी गौतमपल्ली मय पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और घायल को तत्काल उपचार के लिए सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहाँ वह अभी इलाजरत है।योगेंद्र ने पुलिस को दिए बयान में आरोप लगाया कि उसके मोहल्ले के निवासी दानिश, वसीम, नाजिम पुत्रगण शमीम अहमद तथा मास्टर, जो सट्टेबाजी का अवैध कार्य करते हैं, ने उससे छह लाख रुपये हड़प लिए हैं। जब उसने अपनी रकम लौटाने की मांग की तो आरोपियों ने उसे गालियाँ दीं और धमकाया। परेशान होकर उसने आत्मघाती कदम उठाया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामले की गहराई से जांच की जा रही है और आरोपियों से संपर्क कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।स्थानीय लोगों ने बताया कि आरोपी लंबे समय से सट्टे का कारोबार कर रहे हैं और क्षेत्र में कई लोगों से पैसे हड़प चुके हैं।

बीबीएयू में विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, मानसिक स्वास्थ्य पर सहानुभूतिपूर्ण सहयोग का संदेश

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में मंगलवार, 10 सितंबर 2025 को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर 'आत्महत्या पर विचार बदलना' (Changing the Narrative on Suicide) विषय पर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में हुआ, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता डीन ऑफ अकेडमिक अफेयर्स प्रो. एस. विक्टर बाबू ने की। मुख्य वक्ता के रूप में मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता डॉ. नेहा आनंद उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीतू सिंह, नेशनल टास्क फोर्स बीबीएयू के नोडल अधिकारी डॉ. दीपेश्वर सिंह और विश्वविद्यालय के चीफ मेडिकल ऑफिसर मेजर (डॉ.) विकास श्रीवास्तव भी शामिल रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके बाद आयोजन समिति ने अतिथियों और शिक्षकों को पुष्पगुच्छ एवं पुस्तक भेंट कर सम्मानित किया। स्वागत भाषण में प्रो. नीतू सिंह ने कार्यक्रम के उद्देश्य और मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।अपने संबोधन में प्रो. एस. विक्टर बाबू ने कहा कि जीवन अमूल्य है, इसे किसी एक परीक्षा या नौकरी के परिणाम से जोड़कर समाप्त नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को ईश्वर पर विश्वास रखते हुए धैर्य बनाए रखना चाहिए, क्योंकि जीवन में कठिनाइयाँ आती रहती हैं।मुख्य वक्ता डॉ. नेहा आनंद ने आत्महत्या के बढ़ते मामलों पर चिंता व्यक्त की।

मेदांता हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने युवाओं में बढ़ते दिल के दौरे के मामलों पर जताई चिंता

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। मेदांता हॉस्पिटल के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने युवाओं के दिल खतरे में विषय पर आयोजित सेमिनार में कम उम्र में बढ़ते दिल के दौरे के मामलों पर चिंता जताई। डॉक्टरों ने बताया कि गतिहीन जीवनशैली, मोटापा, तनाव और धूम्रपान जैसे कारण इस समस्या को बढ़ा रहे हैं। अब दिल के दौरे के हर पांचवें मरीज की उम्र 40 साल से कम है।

कॉन्क्लेव में विशेषज्ञों ने कई केस स्टडी पर चर्चा की। इनमें जटिल एंजियोप्लास्टी, स्टेंटिंग, टीएवीआई (TAVI) और रोबोटिक सर्जरी जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग शामिल था। डॉक्टरों ने जोर देकर कहा कि मोटापा, उच्च रक्तचाप, और मधुमेह इस स्वास्थ्य संकट के प्रमुख कारण हैं।

डॉ. प्रवीण के. गोयल ने टीएवीआई (TAVI)—ट्रांसकैथेटर महाधमनी वाल्व इम्प्लांटेशन—के बढ़ते महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि यह एक न्यूनतम इनवेसिव तकनीक है जो ओपन-हार्ट सर्जरी के बजाय स्टेंट के माध्यम से महाधमनी वाल्व को बदल देती है, और यह विशेष रूप से कई बीमारियों से ग्रस्त बुजुर्ग मरीजों के लिए फायदेमंद है।

सेमीनार डॉ. गौरंगा मजूमदार ने कोरोनरी धमनी बाईपास ग्राफ्टिंग (CABG) में रोबोटिक तकनीक के उपयोग को प्रदर्शित किया। वहीं डॉ. एस. के. द्विवेदी और डॉ. हिमांशु गुप्ता ने उन जटिल एंजियोप्लास्टी और स्टेंटिंग मामलों के बारे में बताया जो पहले के स्ट्रोक और गैस्ट्रिक अल्सर जैसी सह-रुग्णताओं के कारण और भी मुश्किल हो गए थे। डॉक्टरों ने निष्कर्ष निकाला कि 40 साल से अधिक उम्र के लोगों को जिम जाने से पहले रक्तचाप, कोलेस्ट्रॉल और मधुमेह की जांच, और ट्रेडमिल स्ट्रेस टेस्ट जरूर करवाना चाहिए, क्योंकि अनदेखी किए गए जोखिम गहन वर्कआउट के दौरान जानलेवा साबित हो सकते हैं।

उक्त सेमीनार में डॉ. अवधेश द्विवेदी, डॉ. विनीता, डॉ. अभिषेक व प्रदेश से कई विशिष्ठ डॉक्टर्स ने प्रतिभाग किया।

पंडित गोविंद बल्लभ पंत की जयंती पर कांग्रेस नेताओं ने दी श्रद्धांजलि, उनके योगदान को याद किया

लखनऊ। महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, समाज सुधारक और उत्तर प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री पंडित गोविंद बल्लभ पंत की जयंती के अवसर पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री अजय राय ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस मौके पर कांग्रेस नेताओं ने पंत जी के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान, किसानों के हित में किए गए कार्यों तथा प्रशासनिक सुधारों को याद कर उन्हें नमन किया।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि पंडित गोविंद बल्लभ पंत ने महात्मा गांधी द्वारा चलाए गए असहयोग और सविनय अवज्ञा आंदोलनों में सक्रिय भागीदारी निभाई। अंग्रेजी शासन के खिलाफ संघर्ष करते हुए उन्हें कई बार जेल जाना पड़ा। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान देश की आज़ादी के लिए अपना योगदान दिया और स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री के रूप में प्रशासनिक सुधारों और किसानों के कल्याण के लिए ऐतिहासिक कार्य किए।

सी .पी . राधाकृष्णन : एक नये अध्याय की शुरुआत

भारत के अगले उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए संसद के दोनों सदनों के सांसदों ने अपने वोट डालें। सत्तारूढ़ एनडीए के उम्मीदवार तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष सीपी राधाकृष्णन ने विपक्ष के उम्मीदवार वरिष्ठ अधिवक्ता बी सुदर्शन रेड्डी को परास्त कर 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में जीत दर्ज की और एक नये इतिहास का सृजन किया है। निर्वाचन अधिकारी राज्यसभा महासचिव पीसी मोदी के अनुसार मतदान संसद भवन के वसुधा स्थित कमरा संख्या एफ-101 में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चला। यह ऐतिहासिक घटना केवल उपराष्ट्रपति पद के चुनाव तक सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय राजनीति में बदलते समीकरणों और भविष्य की दिशा का संकेत भी देती है। सी.पी. राधाकृष्णन का 17वें उपराष्ट्रपति के रूप में निर्वाचित होना न केवल एनडीए और भाजपा की रणनीतिक सूझबूझ का परिणाम है, बल्कि यह इस बात का भी प्रमाण है कि व्यक्ति चयन की प्रक्रिया को उन्होंने केवल राजनीतिक समीकरण तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसमें व्यापक सामाजिक और राष्ट्रीय दृष्टिकोण को जोड़ा।

एनडीए के प्रत्याशी के रूप में राधाकृष्णन ने इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी को परास्त किया, इसकी संभावनाएं पहले से व्यक्त की जा रही थी। यह जीत केवल संख्याओं का खेल नहीं है, बल्कि यह विचारधारा, दृष्टि और नेतृत्व की जीत है। उपराष्ट्रपति पद संवैधानिक गरिमा का प्रतीक होता है, जहाँ राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्रहित सर्वोपरि हो जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा नेतृत्व ने राधाकृष्णन जैसे व्यक्ति को चुनकर यह स्पष्ट कर दिया है कि उनके लिए संवैधानिक पदों पर आसीन व्यक्ति का व्यक्तित्व, नैतिकता और राष्ट्रीय दृष्टिकोण सर्वोपरि है। इस शानदार जीत के कई निहितार्थ हैं। पहला, यह भाजपा और एनडीए की राजनीतिक पकड़ और संगठनात्मक शक्ति को और मजबूत करता है। दूसरा, यह विपक्षी इंडिया गठबंधन की कमजोरियों और आंतरिक मतभेदों को उजागर करता है। तीसरा, यह भविष्य की राजनीति की उस दिशा को दर्शाता है जहाँ व्यक्तिगत ईमानदारी, सामाजिक स्वीकार्यता और राष्ट्रीय दृष्टि को अधिक महत्व मिलेगा।

सी.पी. राधाकृष्णन का चयन इस मायने में भी ऐतिहासिक है कि वे राजनीति के व्यावहारिक धरातल पर काम करने वाले ऐसे नेता माने जाते हैं जिनकी पहचान केवल पार्टी तक सीमित नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक-सांस्कृतिक प्रतिनिधि के रूप में भी है। यह कदम भाजपा की उस राजनीति की भी झलक देता है जहाँ वह केवल चुनावी जीत की ओर नहीं, बल्कि दीर्घकालीन सांस्कृतिक और वैचारिक स्थिरता की ओर अग्रसर है। यह कहा जा सकता है कि इस चुनाव में एक तीर से अनेक निशाने साधे गए हैं, एनडीए की शक्ति का प्रदर्शन, विपक्ष को स्पष्ट संदेश, संवैधानिक गरिमा की रक्षा, और भविष्य की राजनीति में व्यक्ति चयन की एक नई परंपरा का सूत्रपात। भारत की राजनीति में यह एक ऐसा क्षण है जिसे केवल चुनावी जीत के रूप में नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की व्यापक प्रक्रिया के रूप में देखा जाना चाहिए।

भाजपा ने एक और तीर साधा है। जैसाकि तमिलनाडु की राजनीति परंपरागत रूप से द्रविड़ आंदोलनों और क्षेत्रीय पहचान से प्रभावित रही है, जहां पिछले कई दशकों से डीएमके और एआईएडीएमके का दबदबा रहा है। भाजपा के लिए इस राज्य में राजनीतिक ज़मीन तैयार करना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है। 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को महज़ 4 सीटें मिलीं, जबकि एनडीए गठबंधन को कुल 66 सीटों पर सफलता हासिल हुई। यह स्पष्ट करता है कि तमिलनाडु में भाजपा की पकड़ अभी कमजोर है और उसे क्षेत्रीय भावनाओं, भाषा और संस्कृति से जुड़े सवालों पर गहरी पैठ बनाने की जरूरत है। इसी परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनाकर एक रणनीतिक दांव खेला है। राधाकृष्णन तमिलनाडु से आते हैं और उनकी पहचान को आगे रखकर भाजपा राज्य की राजनीति में अपनी स्वीकार्यता बढ़ाना चाहती है। इससे भाजपा यह संदेश देना चाहती है कि वह तमिल अस्मिता, संस्कृति और क्षेत्रीय नेतृत्व को सम्मान देती है। राधाकृष्णन की उम्मीदवारी से भाजपा को उम्मीद है कि वह आने वाले विधानसभा चुनावों में अपनी उपस्थिति और प्रभाव को विस्तार दे सकेगी और द्रविड़ राजनीति के लंबे प्रभुत्व को चुनौती देने का आधार बना सकेगी। भारत का उपराष्ट्रपति पद एवं उपराष्ट्रपति मंत्रालय भारतीय लोकतंत्र की गरिमा और संतुलन का प्रतीक है। यह पद केवल औपचारिकता का केंद्र न होकर भारतीय संसद के उच्च सदन का अध्यक्ष होने के कारण संवाद, विचार और लोकतांत्रिक विमर्श की आत्मा को दिशा देता है। स्वतंत्र भारत की इस परंपरा को जब डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जैसे दार्शनिक, विचारक और शिक्षाविद ने अपने व्यक्तित्व और कार्य से ऊँचाई दी, तब यह पद राष्ट्र के सांस्कृतिक, नैतिक और बौद्धिक आदर्शों का संवाहक बन गया।

प्रकृति की नाराजगी को नहीं समझा तो मानव अस्तित्व खतरे में

वनों की कटाई ने न केवल भूमि की जलधारण क्षमता घटाई है, बल्कि स्थानीय जलवायु चक्र को भी प्रभावित किया है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण तापमान बढ़ा है, जिससे पहाड़ी इलाकों में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और अप्रत्याशित समय पर अत्यधिक वर्षा हो रही है।

ललित गर्ग

प्रकृति अपनी उदारता में जितनी समृद्ध है, अपनी प्रतिशोधी प्रवृत्ति में उतनी ही कठोर है। जब तक मनुष्य उसके साथ तालमेल में रहता है, तब तक वह जीवन को वरदान देती है, जल, जंगल और जमीन के रूप में। लेकिन जैसे ही मनुष्य अपनी स्वार्थपूर्ण महत्वाकांक्षाओं और तथाकथित आधुनिक विकास की अंधी दौड़ में प्रकृति की उपेक्षा करने लगता है, यही प्रकृति विनाश का रूप धारण कर लेती है। आज पूरे भारत में जो बाढ़, जल प्रलय और मौसम के अनियंत्रित बदलाव के दृश्य दिखाई दे रहे हैं, वे केवल प्राकृतिक आपदा नहीं हैं, बल्कि हमारी गलतियों का सीधा परिणाम हैं। प्रकृति के इस रौद्र रूप के पीछे महज संयोग या 'कुदरत की नाराज़गी' को जिम्मेदार ठहराना पर्याप्त नहीं है। यह आपदाएं सीधे-सीधे जलवायु परिवर्तन, वनों की अंधाधुंध कटाई और अनियंत्रित विकास मॉडल का परिणाम हैं। पहाड़ों का पारिस्थितिकी तंत्र अत्यंत संवेदनशील होता है, लेकिन नीतिनिर्माताओं ने पहाड़ों के विकास को मैदानी मॉडल पर ढालने की कोशिश की। बड़े-बड़े होटल, अव्यवस्थित सड़कें, बांध, खनन और निर्माण ने पहाड़ों की नाजुक संरचना को हिला दिया। जब जंगल काटे जाते हैं तो वर्षा का पानी भूमि में समाने के बजाय सीधे तेज धाराओं के रूप में बहने लगता है। यही बाढ़ और भूस्खलन का बड़ा कारण बनता है, इसी से भारी तबाही का मंजर देखने को मिल रहा है, देश के बड़े हिस्से में जन-जीवन अस्त-व्यस्त है, लाखों हेक्टेयर फसलें जनमग्न है, जान-माल का नुकसान भी बड़ा हुआ है, भारी आर्थिक नुकसान ने घना अंधेरा बिखेर दिया है। चारों ओर चिन्ताओं एवं परेशानियों के बादल मंडरा रहे हैं।

आज की बाढ़ और जल प्रलय केवल पानी का उफान नहीं, बल्कि हमारी गलतियों का आईना है। यह प्रकृति का प्रतिशोध है, उसकी चेतावनी है कि यदि अब भी नहीं चेते तो भविष्य और भी विकराल होगा। महात्मा गांधी ने कहा था-"प्रकृति हर किसी की आवश्यकता पूरी कर सकती है, लेकिन किसी के लालच को नहीं।" यही सच्चाई है। यदि हमने संतुलन नहीं सीखा, तो यह विनाशकारी दृश्य आने वाले वर्षों में और भयावह होंगे। लेकिन यदि हमने चेतावनी को अवसर माना, तो प्रकृति फिर से मां की तरह हमें संभाल लेगी। जीवनदायी पानी जब अपने विकराल रूप में सामने आता है तो उसका प्रकोप कितना घातक और विनाशकारी हो सकता है, यह इस वर्ष की मूसलाधार मानसूनी बारिश एवं बादल फटने की घटनाओं ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है। सामान्यतः जल जीवन का आधार है, लेकिन जब वही जल अपनी मर्यादा तोड़कर प्रलयंकारी रूप में आता है तो घर, खेत, सड़क, पुल, मंदिर-मस्जिद और मानवीय जीवन तक बहाकर ले जाता है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर के पहाड़ी राज्य इस समय प्रकृति के ऐसे ही कहर का दंश झेल रहे हैं। बादल फटने की अप्रत्याशित घटनाएं, पहाड़ों से टूटते हिमखंड, अचानक बहते मलबे और बेकाबू नदियों का सैलाब-ये सब मिलकर भयावह परिदृश्य खड़ा कर रहे हैं। वनों की कटाई ने न केवल भूमि की जलधारण क्षमता घटाई है, बल्कि स्थानीय जलवायु चक्र को भी प्रभावित किया है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण तापमान बढ़ा है, जिससे पहाड़ी इलाकों में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और अप्रत्याशित समय पर अत्यधिक वर्षा हो रही है। यही कारण है कि बादल फटने जैसी घटनाएं पहले की तुलना में कई गुना बढ़ गई हैं। पहाड़ों की बस्तियां, जो कभी प्राकृतिक संतुलन में जीती थीं, अब मानवजनित गतिविधियों की मार झेल रही हैं। दरअसल, समस्या का मूल यह है कि हमने विकास की परिभाषा को केवल कंक्रीट और मशीनों से जोड़ दिया है। पर्यावरणीय संतुलन और पारिस्थितिकीय संवेदनशीलता को दरकिनार कर योजनाएं बनाई गईं। इसी का परिणाम है कि जब आपदा आती है तो न तो हमारी चेतावनी प्रणाली पर्याप्त साबित होती है और न ही प्रशासन की तैयारियां। सर्वोच्च न्यायालय में हिमाचल सरकार ने यह स्वीकार भी किया है कि अब तक अपनाए गए उपाय अपर्याप्त हैं। यह स्वीकारोक्ति बताती है कि समस्या कितनी गंभीर है।

भारत की नदियाँ कभी जीवन का स्रोत मानी जाती थीं। गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, नर्मदा, गोदावरी जैसी नदियों के किनारे सभ्यताएँ पली-बढ़ीं। लेकिन आज वही नदियाँ मौत का पैगाम बनकर आती हैं। कारण है उनके प्राकृतिक प्रवाह में मानवीय हस्तक्षेप-बेतरतीब बांध, अतिक्रमण, नालों में बदल चुकी धारा और किनारों पर बसी बस्तियाँ। भारत में हर साल औसतन 1,600 लोग बाढ़ से मारे जाते हैं और लगभग 75 लाख लोग प्रभावित होते हैं। फसलें तबाह होती हैं, पशुधन मरता है और अरबों रुपए की आर्थिक क्षति होती है। केवल 2023 में उत्तराखंड, हिमाचल और दिल्ली में आई बाढ़ से 60,000 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ। पिछले कुछ दशकों में मौसम का पैटर्न पूरी तरह बिगड़ चुका है। मानसून जो पहले जून से सितंबर तक नियमित हुआ करता था, अब अनिश्चित और असमान हो गया है। कभी 24 घंटे में महीनों की बारिश हो जाती है, तो कभी लंबे सूखे का दौर देखने को मिलता है। 2013 की केदारनाथ त्रासदी ने पहाड़ों में अंधाधुंध निर्माण की पोल खोल दी। 2023 में दिल्ली में यमुना का 45 साल का रिकॉर्ड टूटना इस बात का संकेत है कि शहर जलवायु परिवर्तन और अव्यवस्थित शहरीकरण के सामने पूरी तरह असुरक्षित हो चुके हैं। देश के लगभग हर हिस्से में जल प्रलय की कहानियाँ देखी जा सकती हैं। उत्तराखंड और हिमाचल में पहाड़ टूट रहे हैं, भूस्खलन से गांव उजड़ रहे हैं। बिहार और असम में बाढ़ हर साल लाखों लोगों को बेघर कर देती है। दिल्ली और मुंबई जैसे आधुनिक महानगर भी जलजमाव से पंगु हो जाते हैं। राजस्थान जैसे रेगिस्तानी राज्य में भी अनियंत्रित बारिश और बाढ़ का नया खतरा मंडरा रहा है। सड़कों पर नावें चल रही हैं, पुल बह गए हैं, खेत-खलिहान जलमग्न हैं। यह नजारा केवल विनाश का नहीं, बल्कि हमारी नासमझी का प्रमाण है। प्रकृति बार-बार संकेत देती है कि संतुलन ही जीवन का आधार है, लेकिन हमने उसकी सीमाओं को लांघ दिया है। पहाड़ों को खोखला कर सुरंगें और सड़कें बनाई गईं। जंगलों को काटकर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए गए। नदियों को उनके मार्ग से हटाकर कृत्रिम रास्तों में बांध दिया गया। आज जब बादल फटते हैं या नदियाँ बेकाबू होती हैं, तो यह केवल आपदा नहीं बल्कि प्रकृति का प्रतिशोध है। अब सवाल यह है कि इस संकट से निपटें कैसे। केवल राहत और मुआवजा देना समाधान नहीं है। आवश्यकता है दीर्घकालिक और ठोस कदम उठाने की। हमें जंगल बचाने होंगे, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बहाल करना होगा, शहरी योजनाओं में जलनिकासी और हरियाली को महत्व देना होगा, पर्वतीय विकास में संयम लाना होगा और सबसे बढ़कर जनजागरूकता फैलानी होगी ताकि लोग समझ सकें कि पर्यावरण की रक्षा ही उनके जीवन की रक्षा है। जरूरत है कि आपदाओं को केवल 'प्राकृतिक' न मानकर उन्हें 'मानव निर्मित' एवं सरकार की गलत नीतियों की आपदाएं' भी समझा जाए। इसका अर्थ है कि इनका समाधान केवल राहत और बचाव तक सीमित न रहकर दीर्घकालिक रणनीति से जुड़ा होना चाहिए। विशेषज्ञों की राय, वैज्ञानिक अध्ययन और स्थानीय समुदायों के अनुभवों को मिलाकर ऐसी नीतियां बननी चाहिएं, जो पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना और पारिस्थितिकी को ध्यान में रखें।

अजब-गजब

10 साल, 6 गर्लफ्रेंड...तोता और कैलेंडर से लड़कियों को बनाता था बेवकूफ, लेकिन एक कुत्ते ने खोल दी पोल!

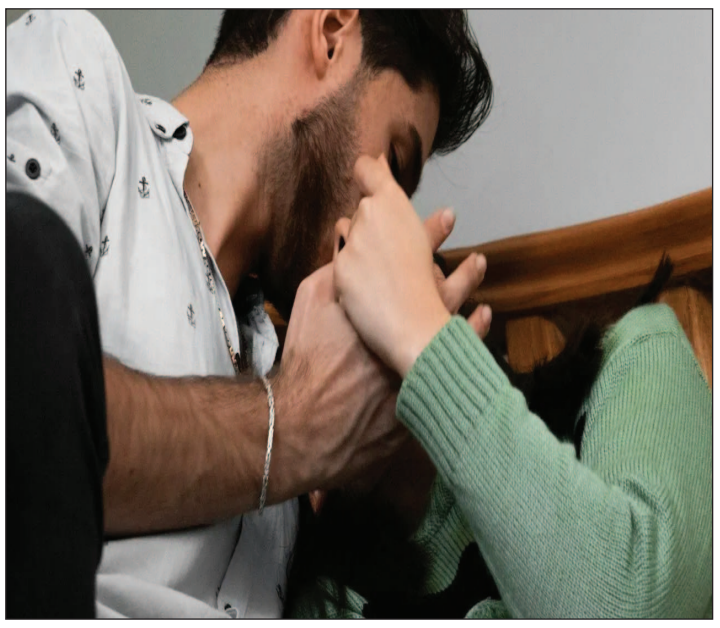

एक शख्स ने अपनी प्रेमिका को 10 साल तक धोखा दिया। इस दौरान वह छह अन्य लड़कियों को भी डेट करता रहा। इतना ही नहीं, अपने फरेब को छिपाने के लिए उसने बाकायदा एक सिस्टम भी बनाया, लेकिन एक कुत्ते ने उसकी सारी चालाकी का पर्दाफाश कर दिया।

यह चौंकाने वाली कहानी है ब्रिटेन के डैनी नाम के एक व्यक्ति की, जिसने 10 साल तक अपनी गर्लफ्रेंड को धोखे में रखकर एक ही समय में छह अलग-अलग लड़कियों के साथ रिश्ता बनाए रखा। डैनी ने यह सबकुछ एक खेल की तरह लिया, और अपने झूठ को छिपाने के लिए कलर कोडेड कैलेंडर, 3 फोन यहां तक कि एक तोते का भी सहारा लिया।

द सन में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, 38 वर्षीय डैनी अपनी सभी प्रेमिकाओं को मैनेज करने के लिए एक कलर-कोडेड कैलेंडर का इस्तेमाल करता था। इसमें अलग-अलग रंग यह तय करते थे कि उसे किस दिन किस लड़की से मिलना है। वहीं, गर्लफ्रेंड का अपने फोन से ध्यान हटाने के लिए उसने एक तोते को ट्रेनिंग दे रखी थी। जब भी फोन पर कोई नोटिफिकेशन आता, तोता अजीब आवाज निकालना शुरू कर देता था। इससे लड़की का ध्यान फोन पर जाने की बजाय तोते पर चला जाता था।

डैनी तीन फोन इस्तेमाल करता था। एक नॉर्मल फोन कॉल्स के लिए, और बाकी के दो फोन को वह चिप्स के डिब्बे और नकली पौधे में छिपाकर रखता था। एक बार तो उसने अपने घर के बॉयलर का प्रेशर तक कम कर दिया, ताकि प्रेमिका के शक से बच सके।

लेकिन एक कुत्ते ने डैनी की सारी चालाकी का भंडाफोड़ कर दिया, और 10 साल पुराना उसका झूठ सबके सामने आ गया। दरअसल, डैनी की एक गर्लफ्रेंड के पास कॉकपू नस्ल का एक कुत्ता था। जब वह अपनी पहली गर्लफ्रेंड के पास लौटा, तो उसकी शर्ट पर कुत्ते के कुछ बाल लगे रह गए। चूंकि, लड़की को कुत्ते बिल्कुल भी पसंद नहीं थे, इसलिए उसे डैनी पर शक हुआ और उसने सवालों की झड़ी लगा दी। इसके बाद शख्स का झूठ भी सामने आ गया।

ब्लॉग

श्रीलंका-बांग्लादेश से लेकर नेपाल तक... छोटे देशों में आखिर क्यों सरकारें खो देती हैं पकड़?

शंभूनाथ शुक्ल

नेपाल में ओली सरकार जन आक्रोश पर काबू नहीं कर पाई, या यूं कहें कि वह जनता के मिजाज को समझ नहीं पाई। जनता के अंदर यह असंतोष कोई एक दिन का नहीं है, बल्कि वर्षों से खदबदा रहा था, बस चिंगारी फूटने की देर थी। जिसकी नतीजा यह हुआ कि आठ सितंबर को जनता ने हिंसक प्रदर्शन किया। पुलिस घेरा तोड़ कर लोग संसद परिसर में घुस गये। पुलिस की गोलीबारी और हिंसा से बहुत लोग मारे गये। गुस्साये लोगों ने संसद भवन को फूंक डाला और एक पूर्व प्रधानमंत्री की पत्नी को भी मार दिया गया।

मौजूदा प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली जान बचा कर भाग निकले। साथ में अपने कुछ मंत्रियों को हेलीकाप्टर में बिठा कर काठमांडू से चले गये। वे कहां गये किसी को पता नहीं। भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी सरकार के खिलाफ लोगों में गुस्सा था। ऐसे समय में आग में घी उस समय पड़ गया जब सरकार ने सोशल मीडिया पर रोक लगा दी।

लोगों में गुस्सा इतना अधिक था कि सरकार के कई मंत्रियों को दौड़ा-दौड़ा कर मारा गया। पूर्व प्रधानमंत्री झालानाथ खनाल के घर में आग लगा दी गई। इसमें उनकी पत्नी राजलक्ष्मी चित्रकार बुरी तरह जल गईं। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मृत्यु हो गई। एक और प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा को पब्लिक ने घर में घुस कर पीटा। उनकी पत्नी भी मारपीट से घायल हो गई हैं। वित्त मंत्री विष्णु पौडेल को तो घर से बाहर निकाल कर दौड़ा-दौड़ा कर पीटा गया। केपी शर्मा ओली के घर को आग के हवाले कर दिया गया और राष्ट्रपति के आवास को भी आग लगा दी गई। संसद भवन में आग पर काबू नहीं पाया जा सका और वहां लूटपाट भी खूब हुई। सिंह दरबार में भी आग लगाई गई। नेपाल पूरी तरह विद्रोहियों के कब्जे में है। सेना और पुलिस लाचार है। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने इस्तीफा दे दिया है।

नेपाल को केपी शर्मा ओली संभाल नहीं पा रहे थे। प्रदर्शन की कई वजहें थीं, जिसमें प्रमुख वजह है नेपाल में भ्रष्टाचार बहुत बढ़ा है। बार-बार सरकारें बदलीं और पांच वर्ष के भीतर तीन प्रधानमंत्री आए। शेर बहादुर देउबा, पुष्पकमल दहल प्रचंड और केपी शर्मा ओली। देउबा को छोड़ कर बाकी दोनों कम्युनिस्ट हैं। चीन से ये लोग नजदीकी बढ़ा रहे थे, इसलिए भारत से दूरी स्वाभाविक हो गई। लिपुलेख विवाद पर ओली बहुत भड़के और भारत को नाराज कर दिया, जबकि नेपालियों को सबसे अधिक भारत में ही शरण मिलती है। यहां वे हर तरह की नौकरियों में हैं। भारत से विवाद बढ़ाने का अर्थ था, रोटी-बेटी के संबंधों को खत्म करना। इसके अलावा तराई के इलाके में रह रहे मधेशी लोगों के साथ नेपाल की सरकारें सौतेला व्यवहार करती रही हैं। जबकि इनकी आबादी भी ज्यादा है और यह कृषि प्रधान समुदाय है।

इस आंदोलन का नेतृत्त्व जिन बालेंद्र शाह उर्फ बालन के पास है, वे काठमांडू के मेयर हैं और युवा हैं। मूल रूप से वे भी मधेशी समुदाय से हैं। माना जा रहा है कि फिलहाल नेपाल की कमान अंतरिम से शायद वही संभालेंगे। भारत और चीन के बीच बफर स्टेट के रूप में उपस्थित नेपाल अमेरिका के लिए भी लाभकारी है। यह स्थिति अब भारत और चीन दोनों को परेशान करने वाली है। ओली सरकार का झुकाव चीन की तरफ बहुत अधिक हो चला था। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली चीन के बलबूते भारत और अमेरिका दोनों को आंख दिखाने लगे थे। ऊपर से नेपाल सरकार का हर मंत्री खूब धन उपार्जन कर रहा था। भाई-भतीजावाद इतना अधिक था कि हर क्रीमी पद पर इन मंत्रियों के बेटे-बेटी काबिज थे। परियोजनाओं के ठेके भी उन्हीं को मिलते थे।

सत्तासीन लोगों के भ्रष्टाचार के चलते पिछले चार वर्षों में भारत के करीबी चार देशों की जनता ने सरकारों का तख्ता पलट किया। 2021 में अफगानिस्तान, 2022 में श्रीलंका, अगस्त 2024 में बांग्लादेश, और अब नेपाल में भी हो गया। ये चारों देश छोटे हैं और यहां बेरोजगारी व भ्रष्टाचार बहुत अधिक है। जनता सरकारों से आजिज आ चुकी थीं। इन चारों देशों में चीन और अमेरिका दोनों दखल दे रहे थे। चीन के बारे में कहा जाता है कि वह जिस देश पर कृपा दृष्टि दिखाता है, वहां की सरकार अस्थिर होने लगती है। यह अलग बात है कि दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले चीन की शी जिनपिंग की सरकार फिलहाल तो स्थिर है। अभी तीन सितंबर को अपनी सैन्य परेड कई राष्ट्राध्यक्षों को दिखा कर शी जिनपिंग ने जाहिर किया है कि उसके हथियार और उसकी सेना बहुत प्रबल है।

नेपाल की तरह जन आक्रोश 2011 में लीबिया में देखने को मिला था। वहां 1969 से सत्ता पर काबिज कर्नल कज्जाफी की सरकार का युवाओं ने तख्ता पलट कर दिया था। 21वीं सदी का वह पहला हिंसक आंदोलन था, जिसमें फेसबुक का सहारा लिया गया था। उत्तरी अफ्रीका के इस रेगिस्तानी देश में कर्नल कज्जाफी ने 42 वर्ष तक शासन किया था। उनकी दमनकारी नीतियों, भ्रष्ट आचरण और भाई-भतीजावाद से देशवासी परेशान थे। इसलिए फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से युवाओं का आह्वान किया गया। वहां के शहर बेनगाजी में एक मानवाधिकार कार्यकर्त्ता की गिरफ्तारी से जनता में रोष फैल गया और लोग कर्नल कज्जाफी के विरोध में सड़कों पर उतार आए। जल्दी ही यह आंदोलन राजधानी त्रिपोली तक फैल गया। सरकारी दमन के बावजूद कज्जाफी को गद्दी छोड़नी पड़ी।

20 अक्तूबर 2011 को सिरते की एक लड़ाई में कर्नल कज्जाफी को मौत के घाट उतार दिया गया। लीबिया की आबादी 8 करोड़ के आसपास थी। छोटे देशों में जहां राजनेताओं की जनता पर पकड़ नहीं होती, वहां सत्ता पर बने रहना आसान नहीं होता। भ्रष्टाचार के घेरे में हर नेता घिर जाता है और एक समय के बाद बेरोजगारी भी बढ़ने लगती है। ताजा उदाहरण बांग्लादेश का था, जहां प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद ने अपने देश के पलायन को रोका, बांग्लादेश में बने कपड़ों की मांग अमेरिका, कनाडा समेत सभी पश्चिमी देशों में बढ़ी। लेकिन इसमें भी कोई शक नहीं कि ठेके हसीना के पारिवारिक जनों को मिले। इसका लाभ हसीना विरोधी राजनीतिक दलों ने उठाया और वहां तख्ता पलट करवा दिया। पिछले साल 5 अगस्त को हसीना भाग कर दिल्ली आ गई थीं।

ऐसा नहीं कि तख्ता पलट के बाद आई नयी सरकारें कोई क्रांतिकारी कदम उठाती हैं। हसीना के बाद बांग्लादेश में बनी अंतरिम सरकार न तो भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा पाई और न ही जन आक्रोश को रोकने में सक्षम हो सकी। नयी सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस वहां अल्पसंख्यकों और सेकुलर लोगों की रक्षा करने में अक्षम हैं। अभी दो दिन पहले वहां सूफी संत नूरा पगला की कब्र खोद कर शव को निकाला गया और उग्रवादियों ने उसे फूंक दिया।

मेरठ के अब्दुल्ला रेजीडेंसी में चला बुलडोजर, ध्वस्त हुए कई मकान

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। मेरठ की अब्दुल्ला रेजीडेंसी में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा पाया गया है। ऊर्जा राज्य मंत्री सोमेंद्र तोमर के आरोपों पर जिला अधिकारी डॉ वीके सिंह ने जांच कमेटी बनाई थी। अब तक की जांच में पाया गया है कि अब्दुल्ला रेजिडेंसी के बिल्डरों ने सरकारी सड़क को कब्जा किया हुआ है। जांच कमेटी की पैमाइश में 300 से ज्यादा मीटर पर सरकारी भूमि पर कब्जा होने का खुलासा हुआ।

इसके बाद आवास विकास परिषद ने कार्रवाई करते हुए रेजीडेंसी की बाउंड्रीवाल पर बुलडोजर चला दिया। इस मामले में रेजीडेंसी के पार्टनर जावेद इकबाल और महेंद्र गुप्ता के खिलाफ सरकारी जमीन कब्जाने का मुकदमा दर्ज किया गया है। एफआईआर में लिखा गया कि 12 मीटर चौड़ी जमीन पर कब्जा किया गया है। मजिस्ट्रेट दीक्षा जोशी की अध्यक्षता में बनी जांच कमेटी पूरे प्रकरण की जांच कर रही है।

कॉलोनी की बाउंड्रीवाल क्यों तोड़ दी गई?

प्रशासन का कहना है कि सरकारी भूमि पर कब्जा पाया गया। इस कारण रेजीडेंसी की बाउंड्रीवाल तोड़ दी गई है। यहां 12 मीटर चौड़ी सरकारी जमीन है। आवास विकास परिषद के सुप्रीटेंडिंग इंजीनियर राजीव कुमार ने बताया कि अब्दुल्ला रेजिडेंसी को लेकर डीएम वीके सिंह द्वारा जांच टीम गठित की गई थी। जांच में अब तक ये पाया गया कि कॉलोनी का कुछ हिस्सा सरकारी सड़क पर आ रहा था, जिसको ध्वस्त किया गया है।

ऊर्जा राज्य मंत्री डॉ सोमेंद्र तोमर ने क्या कहा?

वहीं दूसरी तरफ ऊर्जा राज्य मंत्री डॉ सोमेंद्र तोमर ने कहा कि अब्दुल्ला रेजिडेंसी पर आरोप सही पाए गए हैं। रेजिडेंसी के पार्टनर ने सरकारी जमीन को कब्जाया था। जमीन अतिक्रमण से मुक्त कराने के लिए जांच जारी है। मंत्री डॉ सोमेंद्र तोमर ने कहा कि रेजीडेंसी में हिंदुओं को कितनी रजिस्ट्री प्राप्त हुई है। यह भी एक जांच का विषय है। बता दें कि प्रदेश सरकार के मंत्री डॉ। सोमेन्द्र तोमर ने इस कॉलोनी पर गंभीर सवाल खड़े किए थे। आरोप था कि यहां केवल मुस्लिम समुदाय के लोगों को ही प्लॉट बेचे जा रहे थे। और तो और सरकारी जमीन पर भी कब्जा किया गया था। ऐसे कई बिंदुओं पर जांच चल रही है।

सुबह-सुबह गोसेवा और मोर को खिलाया गुड़... गोरखनाथ मंदिर में फिर दिखा CM योगी का पशु प्रेम

आर्यावर्त संवाददाता

गोरखपुर। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का पशु-पक्षी प्रेम जगजाहिर है। इसका एक नजारा बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में एक बार दिखा। प्रातःकाल मंदिर परिसर भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री ने गोशाला में गोसेवा की और मोर को भी गुड़ खिलाया।

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान गोसेवा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा है। इसी क्रम में बुधवार सुबह भी उन्होंने मंदिर की गोशाला में समय बिताया और गोसेवा की। मुख्यमंत्री ने गोवंश को गुड़ खिलाया और गोशाला के कार्यकर्ताओं को देखभाल के लिए जरूरी निर्देश दिए।

गोसेवा के दौरान उन्होंने पिछले साल आंध्र प्रदेश के येलेश्वरम स्थित गोशाला से गोरखनाथ मंदिर लाए गए नादिपथि मिनिएचर नस्ल (पुंगनूर नस्ल की नवोन्नत ब्रीड) के गोवंश भवानी और भोलू को खूब दुलारा। गोवंश के ये नाम सीएम योगी ने ही रखे हैं। उन्होंने भवानी और भोलू को गुड़ भी खिलाया। सीएम योगी के स्नेह से गोवंश भाव विह्वल दिख रहे थे। मंदिर की गोशाला में एक मोर भी विचरण करता है। उसका नाम पुंज रखा गया है। विगत कई माह से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जब गोशाला में होते हैं तो पुंज उनके पास आ जाता है। मुख्यमंत्री उसे भी खूब स्नेह और भोजन देते हैं। बुधवार को भी उन्होंने पुंज को दुलारा और अपने हाथों से उसे गुड़ खिलाया।

सेवा पखवाड़ा के बहाने सामाजिक जुड़ाव बढ़ाएगी भाजपा

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक भाजपा सेवा पखवाड़ा मनाएगी। इसका उद्देश्य सामाजिक जुड़ाव बढ़ाना और संगठन की पहुंच को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना है। प्रबुद्ध सम्मेलन, स्वच्छता अभियान ,पौधारोपण,नमो मैराथन और रक्तदान शिविर जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बुधवार को भाजपा जिला कार्यालय पर आयोजित कार्यशाला में कार्यकर्ताओं को सेवा पखवाड़ा के टिप्स दिए गए।बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष देवेश कोरी ने बताया कि सेवा पखवाड़ा की शुरुआत 17 सितंबर को रक्तदान शिविर , स्वच्छता अभियान एवं प्रदर्शनी से होगी।रक्तदान दो चरणों में होगा।रक्तदान का दूसरा चरण 18 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलेगा।निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर 17 से 24 सितंबर तक, प्रबुद्ध सम्मेलन 19 - 20 सितंबर को आयोजित होगा। उन्होंने बताया कि आत्मनिर्भर भारत, फिट इंडिया,नशा मुक्त भारत थीम पर आधारित नमो मैराथन का आयोजन 21 सितंबर को होगा।उन्होंने बताया कि एक पेड़ मां के नाम के साथ स्कूलों व महाविद्यालयों में भी कार्यक्रम संगठन की ओर से कराए जाएंगे। नगरी क्षेत्र के साथ ग्रामीण क्षेत्र में भी गतिविधियों को बढ़ाया जाएगा।उन्होंने बताया कि 25 सितंबर को दीनदयाल उपाध्याय की जयंती,दिव्यांग एवं विशिष्ट व्यक्तियों का सम्मान के भी कार्यक्रम संपन्न होंगे।गांधी जयंती पर 2 अक्टूबर को कार्यक्रम तथा विकसित भारत चित्रकला प्रतियोगिता,सांसद खेलकूद प्रतियोगिता 25 सितंबर तक आयोजित होगी। जिला अध्यक्ष अरविंद मौर्य ने अतिथियों का स्वागत एवं आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर एससी - एसटी आयोग के प्रदेश अध्यक्ष बैजनाथ रावत, शीलरत्न मिहिर, गुरुशरण लोधी एवं काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

छपरा-गोरखपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस : बोगी को छोड़ दौड़ गया इंजन, सहम गए यात्री, स्टेशन पर मची रही अफरातफरी

आर्यावर्त संवाददाता

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया में एक ट्रेन का इंजन उसकी बोगियों से अलग हो गया। ये देख यात्रियों में दहशत फैल गई। यात्री बोगियों के बिना इंजन को दौड़ते देख चिल्ला पड़े और बोगियों से उतर गए। घटना की जानकारी जैसे ही रेलवे के आला अधिकारियों को मिली वो दौड़कर मौके पर पहुंचे। ट्रेन की इंजन की बिना बोगियों के दौड़ने की ये घटना देवरिया के नूनखार रेलवे स्टेशन पर हुई। घटना मंगलवार को सुबह हुई।

जिस ट्रेन का इंजन बोगियों से अलग हुआ वो छपरा-गोरखपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस है। मंगलवार सुबह छपरा-गोरखपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस सुबह 8:25 बजे नूनखार रेलवे स्टेशन पहुंची थी। नूनखार स्टेशन पर रुकने के बाद जब ट्रेन जब वहां से चली तो इसका इंजन बोगियों से अलग हो गया। इतना ही नहीं इंजन बोगियों को छोड़कर 200 मीटर तक आगे दौड़ गया। इससे यात्रियों में हड़कंप मच गया।

10 मिनट में फिर से बोगियों से जोड़ दिया गया इंजन

रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि जैसे ही इंजन के बोगियों से अलग होने की सूचना मिली तो रेलवे की तकनीकी टीम तत्काल मौके पर पहुंची। इसके बाद इंजन को 10 मिनट में फिर से बोगियों से जोड़ दिया गया। फिर ट्रेन गोरखपुर के लिए रवाना हो गई। छपरा-गोरखपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस का कपलिंग खुल जाने की वजह से ये घटना हुई। ट्रेन का इंजन आगे बढ़ गया और बोगियां वहीं रुक गईं।

यात्रियों ने रेलवे की कार्यप्रणाली पर खड़े किए सवाल

वहीं यात्रियों ने कहा कि इससे एक बड़ा हदासा हो सकता था, जो टल गया। क्योंकि अगर इंजन की स्पीड तेज होती तो नुकसान हो सकता था। यात्रियों ने रेलवे की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े किए। इधर रेलवे द्वारा घटना की जांच शुरू कर दी गई है। आखिर ये घटना कैसे हुई और कपलिंग कैसे खुली, इसकी जांच रेलवे के अधिकारियों और तकनीकी टीम द्वारा की जा रही है।

आपराधिक वाद छिपा प्रमोशन पाने वाले एसोसिएट प्रोफेसर की पुलिस को तलाश

आर्यावर्त संवाददाता

रामनगर, बाराबंकी। 18 साल पहले अपहरण के मामले में आरोपी रामनगर परास्नातक महाविद्यालय के प्रवक्ता के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी है और वह पुलिस के लिए वांछित हैं। उधर एसोसिएट प्रोफेसर कालेज से करीब दो सप्ताह से भी अधिक समय से गायब चल रहे हैं। इस मामले का सबसे अहम पहलू यह कि प्रवक्ता ने उनके खिलाफ दर्ज आपराधिक वाद छिपाकर पदोन्नति भी हासिल कर ली, जिसको लेकर न सिर्फ गायब प्रवक्ता बल्कि कालेज प्रशासन भी संदेह के घेरे में आ गया है। बताते चलें कि रामनगर पीजी कालेज में बतौर हिन्दी विभागाध्यक्ष तैनात डा अखिलेश वर्मा के खिलाफ हरदोई जिले के माधोगंज थाने में वर्ष 2007 में युवक के अपहरण का मामला 218/2013 अपराध संख्या के तहत दर्ज हुआ था। जिसके वादी पीड़ति भगवानदीन निवासी ग्राम थमरवा हरदोई थे। इस मामले में प्राध्यापक ने बचाव की हरसंभव कोशिश की पर अदालत की अवमानना में उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी हो गया। कोर्ट के आदेश पर भगोड़ा घोषित प्रवक्ता को पुलिस सिरे से तलाश रही है। इस बीच बहराइच जिले के रिसिया में अध्यापन कार्य कर रामनगर पीजी कालेज में तैनाती पाने के बाद प्रवक्ता डां अखिलेश कुमार वर्मा ने वर्ष 2010 में खुद पर चल रहे आपराधिक वाद को छिपाते हुए एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर पदोन्नति प्राप्त कर ली। इस पूरे घटनाक्रम की शिकायत लिखित पीड़ति राजेन्द्र कुमार ने जिला प्रशासन से लेकर शासन और उच्च शिक्षा विभाग तक कर रखी है। वहीं सवाल भी उठाया है कि आपराधिक वाद दर्ज होने के बावजूद उन्हे पदोन्नति किस आधार पर दे दी गई।

संत ऋषियों के कारण ही जीवन को सीखने का मिलता है अवसर : स्वतंत्र देव

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। प्रदेश सरकार के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने बुधवार को सन्त कबीर अध्यात्म संस्थान मूंजापुर के पूज्य गुरुदेव के जन्मोत्सव के अवसर पर आश्रम में नवनिर्मित सदगुरू रघुबर भण्डार कक्ष का उद्घाटन किया।कैबिनेट मंत्री ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण कर संत निष्ठा साहेब का आशीर्वाद प्राप्त किया। पूज्य गुरुदेव को नमन करते हुए जल शक्ति मंत्री ने अपने उदबोधन में कहा कि गुरु का यह शरीर नही है यह अदृश्य है।सन्त ऋषियों के कारण ही जीवन को सीखने का अवसर मिलता है।उन्होंने लोगों से कहा कि देश के दो नेतृत्वकर्ताओं नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ को मत छोड़ना। देश की सरकारें लोगों के भूख मिटाने और शुद्ध पानी उपलब्ध करने के साथ ही देश का विकास करने में लगी हुई है। लोगों से कहा कि आपस में प्रेम पूर्वक रहे है और किसी से लड़ाई झगड़ा न करें। बच्चों को पढ़ा लिखाकर आगे बढ़ाये। जब अभिभावक ध्यान देंगे तभी बच्चे छत्रपति शिवाजी महाराज बनेंगे।परिश्रम की पराकाष्ठा करने वाले का परिवार खुशहाल रहेगा। अपर मुख्य सचिव वेंकटेष्वर लू ने कहा कि शरीर को शुद्ध करने के लिये योग जरूरी है।लेकिन मन को शुद्ध करने के लिए यज्ञ की आवश्यकता है।जो व्यक्ति योग व यज्ञ करेगा उसका जीवन धन्य होगा। लोग कठिन परिश्रम करके शक्ति हासिल कर लेते है।लेकिन माया के लालच में भटक जाते है।यदि माया के चंगुल में न फंसे तो मुक्ति की प्राप्ति हो जाएगी।सन्त निष्ठा साहेब ने कहा कि मनुष्य घर परिवार की जिम्मेदारी निभाने के साथ थोड़ा सा समय परमात्मा के लिए निकालें जिसकी प्रार्थना से अच्छी सोच के साथ बच्चों में अच्छे संस्कार अच्छी शिक्षा का जन्म होगा जो आगे चलकर माता पिता का नाम रोशन कर सकेंगे। संत निष्ठा साहेब सेव ट्रस्ट अध्यक्ष महंत अलोकदास ने सभी का आभार जताया।मंच का संचालन महंत प्रांजल दास ने किया। भाजपा एमएलसी अंगद सिंह, पूर्व विधायक शरद अवस्थी, जिला अध्यक्ष अरविंद कुमार मौर्य ने सन्त निष्ठा साहेब से भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया।इस मौके ग्राम प्रधान विजय बहादुर वर्मा, बीडीओ सन्दीप श्रीवास्तव, एडीओ पंचायत जानकीराम,सहायक अभियंता लघु सिंचाई राकेश कुमार सिंह,अवर अभियंता क्रमशः मेराज अहमद, अरुण कुमार व्यास, योगेश श्रीवास्तव, बीटी क्रमशः संतोष कुमार, प्रमोद कुमार, सीओ गरिमा पंत सहित सुरक्षा व्यवस्था में थाना प्रभारी अमित प्रताप सिंह व पुलिस फोर्स मौजूद रहा।

'मकान मालिक अमीर है', किराए पर रहने वाली पूजा की थी नजर; घर छोड़ते ही मालिक के बेटे की अपहरण की रची साजिश

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। यूपी के बरेली जिले के बिथरी चैनपुर थाना क्षेत्र में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब शिक्षक दंपती के इकलौते बेटे को अगवा करने की कोशिश का मामला सामने आया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। हैरानी की बात यह रही कि इस पूरे अपहरण की साजिश एक महिला ने रची थी, जो पीड़ित परिवार के घर में किराए पर रह चुकी है। पुलिस ने आरोपियों के पास से कार, बाइक, मोबाइल फोन और तमंचा भी बरामद किया है। रामगंगानगर कॉलोनी निवासी गेंदन लाल और उनकी पत्नी दोनों ही सरकारी शिक्षक हैं। उनका इकलौता बेटा पीयूष कक्षा नौवीं का छात्र है। 21 अगस्त की सुबह करीब सात बजे वह रोज की तरह स्कूल जाने के लिए घर से निकला। जैसे ही वह कॉलोनी से आगे पहुंचा, एक कार

और बाइक से कुछ लोग आए और उसे जबरन पकड़ने की कोशिश करने लगे। पीयूष ने शोर मचाया और किसी तरह उनके चंगुल से छूटकर दौड़ता हुआ वापस कॉलोनी की ओर भागा।

पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी

कॉलोनी के लोगों की भीड़ जुटती देख आरोपी घबरा गए और वहां से फरार हो गए। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। पीयूष के पिता गेंदन लाल ने तुरंत पुलिस को तहरीर दी। मामला सामने आते ही पुलिस ने टीम बनाकर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। एसपी उत्तरी मुकेश चंद्र मिश्रा ने बताया कि जांच के दौरान पुलिस टीम ने डोहरा रोड स्थित गांव मोहनपुर उर्फ रामनगर के पास से पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान राजिक अंसारी निवासी मिर्धान जहांगीर, थाना फरीदपुर, लारेब निवासी मिर्धान जहांगीर, थाना फरीदपुर, सरताज निवासी जगतपुर, थाना बारादरी, दानिश निवासी जगतपुर, थाना बारादरी, पूजा सिंह निवासी सम्राट अशोक नगर के रूप में हुई है। पूजा सिंह पहले गेंदन लाल के घर किराए पर रह चुकी थी। वहीं से उसने परिवार और बच्चे के बारे में जानकारी जुटाई। पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ कि पूजा ही इस पूरे गैंग की सरगना है।

दूसरी वारदात का भी हुआ खुलासा

पूजा ने योजना बनाई थी कि पीयूष का अपहरण कर मोटी रकम की फिरौती वसूली जाए। वह जानती थी कि मकान मालिक अमीर है। बाकियों ने उसे साथ दिया। फिलहाल दो और आरोपी मुस्तकीम और उसकी पत्नी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। उधर, जिले के सीबीगंज थाना क्षेत्र में हुई फल व्यापारी की हत्या का भी पुलिस ने खुलासा किया है। इंस्पेक्टर सुरेंद्र पाल सिंह ने बताया कि तिलियापुर निवासी भूरे खां की हत्या पैसों के विवाद के चलते की गई थी। पांच दिन पहले चार युवक उसे बुलाकर परघौली और तिलियापुर के बीच एक सुनसान जगह पर ले गए। वहां शराब पीने के बाद रुपयों को लेकर विवाद हो गया।

गिरफ्तार आरोपी इमरान ने पूछताछ में बताया कि उसने करीब एक साल पहले भूरे खां को कुछ रुपये उधार दिए थे। जब उसने पैसे वापस करने से इनकार किया तो गुस्से में इमरान और उसके साथियों ने लाठी-डंडों और तमंचे की बट से उस पर हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने से भूरे खां की मौत हो गई। आरोपी उसे वहीं छोड़कर भाग गए।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई

पुलिस ने इमरान को खना गौटिया में एक मजार के पास से गिरफ्तार कर लिया है। अन्य आरोपियों की तलाश अभी जारी है। बिथरी चैनपुर और सीबीगंज थाने की इन दोनों वारदातों में पुलिस की कार्रवाई से लोगों में राहत की भावना है। एक ओर अपहरण की कोशिश नाकाम रही और आरोपी जेल भेजे गए।

'राखी बंधवाऊंगा, शादी भी करूंगा, रानी बनाकर रखूंगा...', कानपुर का कैंटीन चलाने वाला शातिर क्रिमिनल, 20 लड़कियों को ऐसे बनाया निशाना

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में एक युवक का ऐसा घिनौना मामला सामने आया है, जिसकी कहानी सुनकर हर कोई चौंक गया है। यहां एक युवक ने एक दो नहीं बल्कि 20 से ज्यादा लड़कियों की जिंदगी खराब कर दी। युवक पहले नाबालिग लड़कियों को अपने प्रेम जाल में फंसाता। फिर उनका माइंडवाश करके कहता- तुम्हारे घर वाले तो विलेन हैं। मैं तुमको ऐश-ओ-आराम की जिंदगी दूंगा। इसके बाद उनसे संबंध बनाता। उनके न्यूड फोटो बनाकर ब्लैकमेल करता और बार-बार रेप करता।

आरोपी युवक केशव उत्तम इस कहानी का मुख्य घिनौना चेहर है। उसके मोबाइल से 20 से अधिक लड़कियों के न्यूड फोटो, वीडियो, लड़कियों को सप्लाई करने की कॉल रिकॉर्डिंग और उन्हें ब्लैकमेल करने के सबूत मिले हैं। मामले में एक पीड़ित नाबालिकगलड़की ने बताया- केशव ने उसे प्रेम जाल में फंसाया। उसके बाद उसका माइंडवाश करने की कोशिश की। उसको उसके परिवार वालों के प्रति भड़काया। कहा कि मां-बाप तुम्हें कभी खुश नहीं रखेंगे। मुझसे शादी कर लो, रानी बनाकर रखूंगा। तुमको कोई काम भी नहीं करना पड़ेगा। सब कुछ उसे मिलेगा जो वह चाहेगी।

आरोपी कहता था कि हम तुम्हें कभी नहीं छोड़ेंगे। इसके साथ ही वह कहता था घर वालों को कोई शक न हो। इसलिए वह उससे राखी भी बंधवा लेगा। फिर जब वो बालिग हो जाएगी तो उससे शादी भी कर लेगा। इसके बाद केशव प्यार की दुहाई देकर संबंध बनाता और लड़कियों के अश्लील फोटो एवं वीडियो बना लेता। बाद में उन्हें ब्लैकमेल कर रेप करता रहता, जब भी उसका मन करता।

जानकारी के मुताबिक, नौबस्ता इलाके में एक नर्सिंग होम में कैंटीन चलने वाले आरोपी युवक केशव के खिलाफ तमाम सबूत मिले हैं। वो भी उसके मोबाइल फोन से। नाबालिग लड़की के परिवार वालों की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। फिलहाल आरोपी फरार है।

छात्रा का छलका दर्द

घटना के बारे में पुलिस उपायुक्त दक्षिण कानपुर नगर दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया- नौबस्ता के रहने वाले एक परिवार ने बताया था कि केशव उनकी 14 वर्षीय बेटी को आए दिन अपने पास बुलाता। फिर उससे रेप करता। इस बात से उनकी बेटी परेशान रहने लगी। बाद में परिवार को बेटी ने सारी बात बताई। लड़की के परिवार वालों ने जब उसे पकड़ना चाहा तो वह अपना मोबाइल छोड़कर फरार हो गया। मोबाइल में 20 से अधिक लड़कियों के साथ उसके अश्लील फोटो और ऑडियो वीडियो रिकॉर्डिंग मिलीं। आरोपी केशव मूल रूप से उत्तम फतेहपुर जिले के जहानाबाद क्षेत्र का रहने वाला है। फिलहाल पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

क्या पकड़ा गया आरोपी?

बताया जा रहा है कि फरार आरोपी के घर देर रात दबिश दी गई, लेकिन उसके घर पर ताला लगा मिला। वहीं, सूत्र बता रहे हैं कि आरोपी केशव उत्तम कानपुर कमिश्नरेट पुलिस की गिरफ्त में आ चुका है। हालांकि, इस बात की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। देखना होगा कि मामले में आगे क्या होता है।

विकास कार्यों के जांच टीम ने खंगाले कागजात

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी। सिरौलीगौसपुर ग्राम पंचायत में विकास कार्यों की शिकायत के बाद जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी के निर्देश पर जांच टीम ने निरीक्षण किया। यह शिकायत तहसील के समाधान दिवस में की गई थी।बुधवार को जिला पंचायत राज अधिकारी नितेश भोंडेले के नेतृत्व में टीम सुबह 11 बजे पंचायत भवन पहुंची। टीम में सहायक विकास अधिकारी पंचायत शम्भूनाथ पाठक, जिला सलाहकार हर्षित मिश्रा और सचिव ज्योति चौहान मनोज मिश्रा शामिल थे।टीम ने पिछले दो वर्षों के विकास कार्यों से जुड़ी पत्रावलियों की जांच की। इसके बाद पंचायत भवन, सामुदायिक शौचालय और अन्य विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। यह निरीक्षण ग्राम प्रधान मैकूलाल और ग्रामवासियों की उपस्थिति में किया गया।सहायक विकास अधिकारी पंचायत शंभूनाथ पाठक ने बताया कि जिलाधिकारी द्वारा गठित टीम ने सभी विकास कार्यों और संबंधित दस्तावेजों की विस्तृत जांच की है।

नोएडा की इन 39 इमारतों में पानी कनेक्शन लेने वालों की खैर नहीं, अथॉरिटी ने क्यों दिखाई सख्ती?

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। नोएडा में आए दिन अवैध बिल्डिंगों का निर्माण होता रहता है। अथॉरिटी भी इन पर एक्शन लेती रहती है। अब एक बार फिर नोएडा अथॉरिटी ने 39 अवैध इमारतों पर एक्शन लिया है। दरअसल, नोएडा अथॉरिटी को शिकायत मिली थी कि यहां सलारपुर में बन रहीं 39 अवैध इमारतों में भूमिगत पानी का कनेक्शन लिया जा रहा है। इसे लेकर नोएडा प्राधिकरण इसे लेकर एसडीएम दादरी को पत्र लिखेगा। जल्द ही इन इमारतों को ध्वस्त किया जा सकता है।

बताया जा रहा है कि सलारपुर में बिना नोएडा प्राधिकरण की मंजूरी के लिए अवैध रूप से इमारतें खड़ी की जा रही हैं। इन इमारतों में काम रोकने के लिए नोएडा प्राधिकरण ने 25 अधिकारियों की एक टीम तैनात कर दी है। हर अधिकारी की अलग-अलग दिन देखरेख के लिए ड्यूटी लगाई गई है। बावजूद इसके यहां निर्माण चल रहा है। अब इमारतों के मालिकों ने भूमिगत पानी कनेक्शन लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसकी जानकारी नोएडा प्राधिकरण को मिली है, जिस पर एक्शन लिया जाएगा।

एसडीएम दादरी को पत्र लिखा जाएगा

ऐसे में प्राधिकरण ने कार्रवाई के लिए एसडीएम दादरी को पत्र लिखने का निर्णय लिया है। प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि एक-दो दिन में एसडीएम को पत्र लिख दिया जाएगा। सलारपुर में अवैध इमारतें बनाने वाले 39 मालिकों को भूमाफिया घोषित करने की प्रक्रिया चल रही है। प्राधिकरण के सीईओ की तरफ से डीएम को पत्र लिखा जा चुका है। भूमाफिया घोषित होने के बाद इमारतों के मालिकों पर शिकंजा कसा जाएगा।

एफआईआर दर्ज करने का इंतजार

नोएडा प्राधिकरण ने करीब दो महीने पहले इमारतों के मालिकों पर एफआईआईआर दर्ज कराने के लिए कोतवाली सेक्टर-39 में शिकायत दी थी। दो महीने बाद भी पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की है। इस मामले में प्राधिकरण के अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही पुलिस को एफआईआर दर्ज करने के लिए रिमाइंडर भेजा जाएगा।

सेडेंटरी लाइफस्टाइल की वजह से हमारे स्वास्थ्य में होते हैं ये नकारात्मक बदलाव

सेडेंटरी लाइफस्टाइल किसी भी व्यक्ति के संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक होती है। यह एक ऐसी जीवनशैली है जिसमें लोग अपना अधिकतम समय एक ही जगह पर बीता देते हैं। आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं कि ये जीवनशैली हमारे सेहत को किस तरह प्रभावित करती है।

आज की आधुनिक दुनिया में जहां तकनीक और आराम ने हमारे जीवन को आसान बना दिया है, वहीं एक गंभीर समस्या भी खूब देखने को मिल रही है, और वो है सेडेंटरी लाइफस्टाइल। इसको सरल करके समझें तो यह एक ऐसी जीवनशैली है जिसमें शारीरिक गतिविधि बहुत कम या न के बराबर होती है। अक्सर लोग दफ्तरों में घंटों बैठकर काम करते हैं, कुछ लोग घर पर ही बैठे-बैठे टीवी या मोबाइल पर ज्यादा समय बिताते हैं और व्यायाम भी नहीं करते हैं। बहुत से इस जीवनशैली को सामान्य मानकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन इसका हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर बहुत बुरा असर पड़ता है।

यह धीरे-धीरे हमारे शरीर को अंदर से खोखला कर देता है। सेडेंटरी लाइफस्टाइल न सिर्फ मोटापे और दिल की बीमारियों को बढ़ाती है, बल्कि कई और गंभीर समस्याओं का भी कारण बनती है। आइए इस लेख में हम इसी के बारे में जानते हैं कि एक गतिहीन जीवनशैली हमारे स्वास्थ्य में क्या-क्या नकारात्मक बदलाव ला सकती है और इन बदलावों से कैसे बचा जा सकता है।

मोटापा और दिल की बीमारियां

सेडेंटरी लाइफस्टाइल का सबसे बड़ा और सीधा असर हमारे वजन पर पड़ता है। जब हम कम शारीरिक गतिविधि करते हैं, तो शरीर में कैलोरी बर्न नहीं हो पाती, जिससे मोटापा बढ़ता है। मोटापा अपने आप में कई बीमारियों का कारण है, जैसे हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और हाई कोलेस्ट्रॉल। ये सभी मिलकर हृदय रोगों का खतरा कई गुना बढ़ा देते हैं।

हड्डियों और मांसपेशियों का कमजोर होना

शारीरिक गतिविधि की कमी से हमारी हड्डियां और मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं। जब हम व्यायाम नहीं करते हैं, तो हड्डियों का घनत्व कम हो जाता है, जिससे ऑस्टियोपोरोसिस जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इसी तरह मांसपेशियां भी जब निष्क्रिय रहती हैं तो इनकी लचीलापन भी कम हो जाता है, जिससे जोड़ों में दर्द और अकड़न की समस्या हो सकती है।

मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर

सेडेंटरी लाइफस्टाइल का असर हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। शारीरिक गतिविधि न करने से दिमाग में एंडोर्फिन जैसे 'हैप्पी हार्मोन' का

उत्पादन कम हो जाता है। इससे तनाव, अवसाद और चिंता जैसी समस्याएं हावी सकती हैं। एक जगह बैठे रहने से सामाजिक संपर्क भी कम होता है, जो मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

क्या करें?

इस जीवनशैली से बचने के लिए, अपनी दिनचर्या में छोटे-छोटे बदलाव लाएं। हर घंटे काम से 5 मिनट का ब्रेक लें और थोड़ा टहलें। लिफ्ट की जगह सीढ़ियों का इस्तेमाल करें। सुबह या शाम में हर दिन 30 मिनट की वॉक या योगा जरूर करें। अगर संभव हो तो ऑफिस में स्टैंडिंग डेस्क का उपयोग करें। इन छोटी-छोटी आदतों को अपनाकर आप अपने स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं।

कोई माइस्चराइजर या महंगी क्रीम नहीं, बस कैस्टर आयल का इस्तेमाल करें और मुंहासों और दाग-धब्बों से दूर रहें

अरंडी के तेल या कैस्टर आयल को तैलीय माना जाता है। हालांकि, एक समय में, कैस्टर आयल ब्यूटी रूटीन का एक अहम हिस्सा था। एक बार सिर पर कैस्टर आयल लगाने के बाद, यह एक हफ्ते तक ऐसे ही रहता है। लोग इस तैलीयपन से छुटकारा पाने के लिए हल्दी का इस्तेमाल करते थे। हालांकि, समय के साथ, दिन बदले हैं और ब्यूटी प्रोडक्ट्स भी बदल गए हैं। कैस्टर आयल की जगह दूसरे हल्के तेलों का इस्तेमाल होने लगा है। हालांकि, अब फिर से, ब्यूटीशियन और त्वचा विशेषज्ञों ने अरंडी के तेल के बेहतरीन गुणों के बारे में जागरूकता पैदा की है और इसका इस्तेमाल फिर से शुरू हो गया है।

कुछ लोग ब्यूटी पर बहुत खर्च करते हैं जबकि कुछ लोग कम कीमत में कुछ प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करके अच्छे परिणाम देखना चाहते हैं। ऐसे लोगों के लिए कैस्टर आयल सबसे अच्छा उपाय है। प्रसिद्ध योग गुरु डा। हंसा योगेंद्र के अनुसार, कैस्टर आयल का इस्तेमाल करने से न केवल बालों के लिए बल्कि त्वचा के लिए भी कई फायदे हैं। ऐसा कहा जाता है कि अगर कैस्टर आयल का सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए, तो यह चेहरे पर मुंहासे, काले धब्बे और झुर्रियों को कम करने के लिए बहुत अच्छा है। आइए जानें इसके लिए कैस्टर आयल का इस्तेमाल कैसे करें।

स्किन प्रोब्लेम्सः ड्राई स्किन, मुंहासे, कम उम्र में झुर्रियां और बेजान त्वचा जैसी कई त्वचा संबंधी समस्याएं होती हैं। इन सबकी सही देखभाल के लिए माइस्चराइजर, सनस्क्रीन और फेस वाश पर हजारों रुपये खर्च किए जाते हैं। लेकिन, इसके अलावा, कुछ प्राकृतिक तत्व भी हैं। इनके इस्तेमाल से त्वचा की समस्याओं को भी कम किया जा सकता है। इसके लिए सबसे पहले आपको तनाव, प्रदूषण और अनहेल्दी खान-पान जैसी चीजों से बचना चाहिए जो त्वचा की समस्याओं का कारण बनती हैं। अगर आप इनसे बचेंगे, तो ज्यादातर समस्याएं कम होने में मदद मिलेगी। महंगे प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करने की बजाय प्राकृतिक उत्पादों पर ध्यान दें। अरंडी का तेल इन्हीं में से एक है। अरंडी का तेल तैलीय होता है। लेकिन, अगर आप इसका सही तरीके से इस्तेमाल करेंगे, तो त्वचा की ज्यादातर समस्याएं दूर हो जाएंगी।

रूखी त्वचाः अरंडी के तेल में पर्याप्त मात्रा में फैटी एसिड होते हैं। यह त्वचा के रूखेपन को कम करने के लिए सबसे अच्छा है। यह त्वचा को माइस्चराइजर रखता है। इसके अलावा, यह त्वचा को हाइड्रेट और मुलायम बनाता है। अक्सर कुछ लोगों की त्वचा रूखी होती है। अगर ऐसे लोग अरंडी के तेल का इस्तेमाल करें, तो कोई समस्या नहीं होगी। हालांकि, हम जो अरंडी का तेल इस्तेमाल करते हैं, वह भी प्राकृतिक होना चाहिए।

मुंहासे कम करने के लिएः कुछ शोधों के अनुसार, अरंडी का तेल लगाने से बैक्टीरिया और सूजन जैसी समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। इसे सीधे त्वचा पर लगाने से मुंहासे की समस्या कम हो सकती है। हालांकि, इसे लगाने से पहले आपको यह जान लेना चाहिए कि यह तेल आपके लिए फायदेमंद है या नहीं। इसके लिए पैच टेस्ट जरूर करें।

फाइनलाइन्सः अरंडी का तेल एंटीआक्सीडेंट से भरपूर होता है। इसे त्वचा पर लगाने से झुर्रियां कम होती हैं। यह आपकी त्वचा को जवां बनाए रखने में मदद करता है। झुर्रियों का मुख्य कारण रूखी त्वचा है। अरंडी का तेल इस समस्या को नियंत्रित करता है। रूखापन कम होता है। इसलिए झुर्रियां अपने आप नहीं आतीं।

त्वचा का रंग निखारेंः अरंडी का तेल लगाने से त्वचा में निखार आता है। यह काले धब्बे और पिगमेंटेशन कम करता है। यह तेल कोलेजन बढ़ाता है। यह त्वचा की लचीलापन भी बढ़ाता है। इसलिए, त्वचा पर अरंडी का तेल लगाना अच्छा होता है। लेकिन इसका इस्तेमाल कैसे करें, यह जान लें।

सीरम की तरह

* 1 चम्मच अरंडी के तेल में 1 चम्मच गुलाब का तेल और 2 बूंदें लैवेंडर तेल मिलाएं।
* इसे एक स्प्रे बोतल में डालें और अच्छी तरह हिलाएं।
* बस, एक अच्छा सीरम तैयार है। इसे रात में अपने चेहरे पर लगाएं अगली सुबह आपका चेहरा चमक उठेगा।

फेस पैक

* 1 चम्मच अरंडी के तेल में 1 चम्मच मुल्तानी मिट्टी, 1 चम्मच सेब का सिरका और 2 बूंदें टी ट्री आयल मिलाएं।
* इन सबका पेस्ट बना लें।
* इस तरह से तैयार फेस पैक को चेहरे पर लगाकर 15 मिनट तक रखें और फिर साफ कर लें।
* सप्ताह में एक बार ऐसा करने से अच्छे परिणाम मिलेंगे।

एंटी-एजिंग क्रीम

* 1 बड़ा चम्मच अरंडी का तेल, 1 बड़ा चम्मच शिया बटर, 1 बड़ा चम्मच जोजोबा तेल और 3 बूंदें लोबान तेल मिलाएं।
* सोने से पहले इसे अपने चेहरे पर लगाएं। इससे आपकी त्वचा में नमी आएगी। अगर आप इन सुझावों का नियमित रूप से 7 दिनों तक पालन करेंगे, तो आपको जरूर परिणाम दिखाई देंगे। हालांकि, अरंडी के तेल को सीधे त्वचा पर लगाने के बजाय, इसे किसी भी चीज के साथ मिलाकर लगाने से त्वचा संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इसी तरह, इसे लगाने से पहले पैच टेस्ट करना बेहतर होता है।

बालों के झड़ने से परेशान हैं? आज ही फेंक दें यह कंघी

हेयर फाल मतलब आजकल बालों का झड़ना एक आम समस्या है। बच्चों से लेकर बड़ों तक, कई लोग इससे जूझ रहे हैं। वैसे तो इसके लिए खानपान, धूल, प्रदूषण, देखभाल की कमी जैसे कई कारक जिम्मेदार हैं, लेकिन रोजाना इस्तेमाल होने वाले उत्पाद भी बालों के झड़ने का मुख्य कारण हो सकते हैं।

बालों के झड़ने का एक मुख्य कारण हमारी कंघी है जी हां! प्लास्टिक की कंघी से उत्पा स्टेटिक चार्ज बालों को कमजोर कर देता है। नतीजतन, बालों का झड़ना बढ़ जाता है। हेयर एक्सपर्ट का कहना है कि प्लास्टिक की कंघी की बजाय लकड़ी की कंघी का इस्तेमाल करने से बालों का झड़ना कम हो सकता है। कई अध्ययन और विशेषज्ञ लकड़ी की कंघी के इस्तेमाल के कई सकारात्मक पहलू भी बताते हैं। आइए इस खबर में जानते हैं कि लकड़ी की कंघी के इस्तेमाल से बालों की देखभाल में क्या बदलाव आते हैं...

* नामक एक तेल का स्राव करती है। यह बालों को नमी प्रदान करने में मदद करता है। लकड़ी की कंघी इस तेल को बालों की जड़ों से लेकर सिरे तक समान रूप से वितरित करने में मदद करती है। इस प्रकार, पूरे बाल नमीयुक्त, चमकदार और स्वस्थ रहते हैं। इसके उलट प्लास्टिक की कंघी यह काम प्रभावी ढंग से नहीं कर पाती है।

* बालों का झड़ना कम करता है और नुकसान से बचाता हैः लकड़ी की कंघी प्लास्टिक की कंघी जितनी नुकीली नहीं होती, लेकिन उसके सिरे चिकने होते हैं, इसलिए ये बालों को खींचती या काटती नहीं हैं। इससे बालों का टूटना कम होता है। उलझे बालों को सुलझाते समय, बांस की कंघी बालों पर कम दबाव डालती है, जिससे बालों का झड़ना कम होता है।

* पर्यावरण-अनुकूल और हाइपोएलर्जेनिकः लकड़ी के कंघे पर्यावरण-अनुकूल होते हैं क्योंकि ये नेचुरल मटेरियल से बने होते हैं। प्लास्टिक के कंघों में मौजूद कुछ रसायन कुछ लोगों में सिर की त्वचा में जलन या एलर्जी पैदा कर सकते हैं। लकड़ी के कंघे आमतौर पर हाइपोएलर्जेनिक होते हैं, इसलिए डाक्टरों का मानना है कि ये संवेदनशील सिर की त्वचा वाले लोगों के लिए सुरक्षित हैं।

* क्या लकड़ी की कंघी इस्तेमाल करने से बालों का झड़ना कम होता है? हां, लकड़ी की कंघी इस्तेमाल करने से बालों का झड़ना कम होता है। ऊपर बताए गए कारणों से बाल ज्यादा हेल्दी रहते हैं। लकड़ी की कंघी स्कैल्प में ब्लड फ्लो को बेहतर बनाती है, बालों की जड़ों को पोषक तत्व प्रदान करती है और उन्हें मजबूत बनाती है। चूंकि इसमें कोई स्थैतिक चार्ज नहीं होता, इसलिए बालों को बिना उलझे, आराम से कंघी की जाती है, जिससे बालों का टूटना और झड़ना कम होता है। प्राकृतिक तेल जड़ों से बालों के सिरे तक फैलते हैं, जिससे बाल स्वस्थ और सूखे रहते हैं। इससे बालों का झड़ना भी रुक जाता है।

कैसे बनाए रखें?

* साप्ताहिक सफाईः कंघी से बाल और गंदगी हटाने के लिए पुराने टूथब्रश का उपयोग करें।
* सफाई में मुश्किलः हल्के साबुन या शैम्पू का इस्तेमाल करके थोड़े गुनगुने पानी से धोएं। हालांकि, कंघी को ज्यादा देर तक पानी में न भिगोएं
* नमी से बचाएंः कंघी को धोने के बाद, उसे कपड़े से अच्छी तरह पोंछकर सूखी जगह पर रखें। अगर उसे नमी वाली जगह पर रखा जाए, तो उसमें फफूंद लग सकती है और कंघी खराब हो सकती है।
* प्राकृतिक तेल लगानाः कंघी को सूखने से बचाने के लिए, हर कुछ महीनों में एक बार कपड़े पर नारियल का तेल या जैतून का तेल लगाएं और कंघी पर धीरे से रगड़ें।

केवल पेनल्टी ही नहीं बिलेटेड आईटीआर भरने के ये हैं 5 बड़े नुकसान, ये रही डिटेल्स

आप 31 दिसंबर तक बिलेटेड आईटीआर फाइल कर सकते हैं । लेकिन इसके लिए आपको लेट फीस के तौर पर पेनल्टी भरनी पड़ती है । इसके अलावा भी कई तरह के नुकसान झेलने पड़ते हैं, जिसके बारे में तमाम लोगों को जानकारी नहीं है । आइए जानते हैं ...

इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने की लास्ट डेट 31 जुलाई थी जो अब खत्म हो चुकी है । 31 जुलाई तक अगर आपने इनकम टैक्स रिटर्न नहीं फाइल किया है और अब बिलेटेड आईटीआर फाइल करने की सोच रहे हैं तो ये खबर आपके काम की साबित हो सकती है । दरअसल, बिलेटेड आईटीआर फाइल करने के लिए जहां आपको एक्स्ट्रा समय मिलता है वहीं इसके कुछ नुकसान भी हैं । वैसे तो आप 31 दिसंबर तक बिलेटेड आईटीआर फाइल कर सकते हैं । लेकिन इसके लिए आपको लेट फीस के तौर पर पेनल्टी भरनी पड़ती है । इसके अलावा भी कई तरह के नुकसान झेलने पड़ते हैं, जिसके बारे में तमाम लोगों को जानकारी नहीं है। आइए जानते हैं...

बिलेटेड आईटीआर फाइल करने के नुकसान

अगर आप बिलेटेड आईटीआर फाइल करते हैं, तो आपको लॉस को अगले साल के लिए कैरी फॉरवर्ड की परमीशन नहीं मिलती है । वहीं सामान्य स्थिति में आप लॉस को 8 साल तक कैरी फॉरवर्ड कर सकते हैं ।

बिलेटेड आईटीआर भरने वालों को डिपार्टमेंट ब्याज का भुगतान नहीं करता है। बता दें कि समय से आईटीआर फाइल करने पर टैक्सपेयर को रिफंड दिए जाने की तिथि तक राशि पर 0।5 फीसदी प्रति माह की दर से ब्याज मिलता है।

अगर बिलेटेड आईटीआर दाखिल करते समय कोई टैक्स बकाया है, तो उसे दंडात्मक ब्याज का भुगतान करना होगा। ये 1% प्रतिमाह की दर से लगाया जाता है। दंडात्मक ब्याज, बकाए टैक्स के प्रकार के आधार पर धारा 234A, 234B और 234C के तहत लगाया जाता है।

बिलेटेड रिटर्न भरने के बाद अगर आपका टैक्स रिफंड बनता है तो ये देरी से मिलता है। आईटीआर फाइलिंग में देरी होने से प्रोसेसिंग देरी से होगी और रिफंड देर से आएगा।

बिलेटेड आईटीआर में आपको ओल्ड टैक्स रिजीम का चुनाव करने का विकल्प नहीं मिलता। ऐसे में आपको न न चाहते हुए भी न्यू टैक्स रिजीम के तहत रिटर्न दाखिल करना होता है। बता दें कि जो टैक्सपेयर्स डिडक्शन का फायदा लेकर टैक्स की बचत करना चाहते हैं, वो ओल्ड टैक्स रिजीम को चुनते हैं। लेकिन डेडलाइन निकलने के साथ ये ऑप्शन भी उनके हाथ से निकल जाता है।

जीएसटी को लेकर लोगों से की गई ये खास अपील, सही जानकारी के लिए इस चीज का लें सहारा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने रविवार को आम जनता, व्यापारी वर्ग और पक्षकारों से अपील करते हुए कहा कि जीएसटी पर सही जानकारी के लिए केवल सरकार द्वारा जारी नोटिफिकेशन का सहारा लें। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर की एक पोस्ट में सीबीआईसी ने कहा, यह हमारे संज्ञान में आया है कि सोशल मीडिया पर सीबीआईसी के चेयरमैन से हवाले से एक अनौपचारिक संदेश व्यापक रूप से प्रसारित किया जा रहा है, जिसमें दावा किया गया है कि जीएसटी के तहत कुछ ट्रांजिशन बेनिफिट्स जैसे अप्रयुक्त सेस क्रेडिट, छूट प्राप्त आपूर्ति का आईटीसी और न्यू प्राइस एडजस्टमेंट प्रोविजन आदि 22 सितंबर, 2025 से लागू होंगे। सीबीआईसी ने कहा कि यह दावे निराधार और भ्रामक हैं और तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है। बयान में आगे कहा कि हम जनता, व्यापारियों और अन्य पक्षकारों से अपील करना चाहते हैं कि जीएसटी को समझने के लिए केवल सरकारी नोटिफिकेशन, सर्कुलर और एफएक्यू का सहारा लें। सरकार की ओर से अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों का ऐलान किया गया है, इसमें टैक्स स्लैब की संख्या को घटाकर दो – 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत कर दिया गया है, जो कि पहले चार स्लैब- 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत थी। इसके साथ बड़ी संख्या में चीजों को टैक्स में कटौती की गई है। ये नए सुधार 22 सितंबर से लागू हो रहे हैं। बर्नस्टीन की रिपोर्ट के अनुसार, केंद्र सरकार की ओर से हाल ही में किए गए जीएसटी सुधारों से भारत में उपभोग में तेज वृद्धि देखने को मिलेगी। इससे फुटवियर, एफएमसीजी, परिधान और क्विक सर्विस रेस्तरां (क्यूएसआर) इंडस्ट्री को फायदा होगा।

रिपोर्ट के अनुसार, जीएसटी सुधारों में सबसे बड़ा आश्चर्य निजी उपभोग और घरेलू उपभोग की वस्तुओं जैसे साबुन, शैंपू, हेयर ऑयल, पाउडर और टूथपेस्ट पर टैक्स में भारी कटौती थी। इन उत्पादों पर टैक्स 12-18 प्रतिशत से घटाकर केवल 5 प्रतिशत कर दिया गया है।

एक्स पर नैरेटिव लोग तय करते हैं, मस्क ने पीटर नवारो को दिया जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने व्हाइट हाउस के सलाहकार पीटर नवारो द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रोपेगेंडा फैलाने के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि उनके सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नैरेटिव लोग तय करते हैं।

मस्क और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो के बीच यह बयानबाजियां भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद को लेकर विवाद के बीच हुआ।

नवारो ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, भारत केवल लाभ के लिए रूसी तेल खरीदता है। रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण करने से पहले भारत ने तेल की कोई खरीद नहीं की। भारत सरकार की स्पिन मशीन तेज गति से चल रही है। यूक्रेनियों को मारना बंद करो। अमेरिकी नौकरियां छीनना बंद करो।

कम्युनिटी नोट्स द्वारा एक्स के फैक्ट चेक ने नवारो के कमेंट को मिसलीडिंग बताते हुए फ्लैग किया और कहा कि भारत की संप्रभु ऊर्जा खरीद अंतरराष्ट्रीय कानून का अनुपालन करती है।

नवारो ने इसके बाद मस्क की क्रैप नोट्स की अनुमति देने के लिए आलोचना की।

मस्क ने जवाब दिया, इस मंच पर, लोग ही नैरेटिव तय करते हैं।आप किसी भी तर्क के सभी पक्षों को सुनें। कम्युनिटी नोट्स सभी को सही करता है, कोई अपवाद नहीं। नोट्स डेटा और कोड सार्वजनिक स्रोत हैं। ग्रोक आगे फैक्ट-चेकिंग प्रदान करता है।

भारत सरकार ने भी चल रहे विवाद के बीच नवारो के बयानों को खारिज कर दिया और विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने उन्हें गलत और भ्रामक बयान बताया।

नवारो ने पहले भारत की विदेश नीति की आलोचना की थी, तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में रूसी और चीनी नेताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया मुलाकातों पर सवाल उठाया था और कहा था कि भारत को रूस के साथ नहीं, बल्कि हमारे साथ रहने की जरूरत है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-अमेरिका संबंधों को एक बेहद खास रिश्ता बताया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना की है।

ट्रंप चीन के हाथों भारत को खोने वाली अपनी पिछली टिप्पणी से पीछे हटते हुए दिखे और कहा, मैं प्रधानमंत्री मोदी का हमेशा दोस्त बना रहूंगा।

इस टिप्पणी के कुछ घंटों बाद, भारतीय प्रधानमंत्री मोदी ने भी जवाब दिया कि वह राष्ट्रपति ट्रंप की भावनाओं की सराहना करते हैं और उनका पूरा सम्मान करते हैं।

महंगे मसालों से जल्द मिलेगी राहत, सरकार कीमतों पर इस ऐप से रखेगी नजर

जल्द जरूरी वस्तुओं की कीमतें आप खुद कंट्रोल कर सकेंगे। दरअसल, सरकार जरूरी वस्तुओं की कीमतों की निगारानी के लिए ऐप लॉन्च किया है। जिसकी मदद से सरकार मसालों समेत कई जरुरी चीजों के दामों की खुद निगरानी करेगी। कंज्यूमर ऑफेयर मंत्रालय के PMS यानी प्राइस मॉनिटरिंग ऐप के जरिए आप अपने घर के आसपास मिलने वाली जरूरी वस्तुओं की कीमत सरकार के साथ शेयर कर पाएंगे।

लोकल मार्केट में मिलने वाली चीजों के कीमत के लिए कंज्यूमर मंत्रालय ने ऐप लॉन्च की है। इस ऐप के जरिए सरकार आम लोगों से

सामान की कीमतों का डाटा लेगी और स्थानीय मार्केट की कीमत का ब्यौरा देंगे। इस ऐप में 16 नई कमोडिटीज जोड़ी गई हैं। मॉनिटरिंग की जाने वाली कमोडिटी की संख्या अब 38 हो गई है। अब मसालों की कीमतों की भी मॉनिटरिंग होगी। इनमें धनिया, काली मिर्च, जीरा जैसे मसाले भी जोड़े गए हैं।

पूरे देश में 550 प्राइस मॉनिटरिंग सेंटर

अभी प्राइस मॉनिटरिंग सेंटर के जरिए सरकार सामान की कीमतों पर निगरानी रखती है। पूरे देश में मात्र 109 प्राइस मॉनिटरिंग सेंटर है। जिसमें सरकार 22 जरूरी वस्तुओं की निगरानी करती है। हालांकि इससे सभी शहरों में कीमतों का सही पता नहीं चल पाता था लेकिन अब आटा, दाल, प्याज, टमाटर के दाम की मॉनिटरिंग करेंगी।

क्यों लॉन्च की गई ऐप

पिछले कुछ दिनों में ऐसे कई मामले सामने आए हैं जहां पर सरकार को कीमतों का सही में पता नहीं चल पाया। खासतौर पर दाल और प्याज के ऐसे मामले आए हैं। दिल्ली के एक छोर में जीरे की कीमत अलग तो दूसरे छोर वही जीरा दूसरे रेट पर मिल रहा है। ऐसे में प्राइस मॉनिटरिंग सेंटर सही आंकड़े ने दे पा रहे हैं। इसलिए सरकार चाहती है इसके लिए क्लाउड सोर्सिंग की जाए। इसके लिए एक ऐप बनाने की तैयारी कर रही है और ऐप के जरिए जनता से उनके आसपास किसी वस्तु का क्या भाव है, उसके ऊपर राय लेगी। उसकी राय लेने के बाद सरकार को लगता है कि उस एरिया में किसी वस्तु की शॉर्टेज है तो सरकार उसकी सप्लाई बढ़ाएगी।

कौन हैं नेपाल के आर्मी चीफ अशोक राज, जो शांत कर सकते हैं युवाओं का गुस्सा?

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में आज तीसरे दिन भी हालात गंभीर है। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के इस्तीफे के बाद भी विरोध थमने का नाम नहीं ले रहा है। प्रदर्शनकारी युवा संसद भंग करने और नागरिक नेतृत्व वाली सरकार की मांग पर अड़े हैं। हालात बिगड़ने पर सेना ने सीधे हस्तक्षेप किया है। नेपाल आर्मी चीफ जनरल अशोक राज सिग्देल ने जनता से संयम बरतने और संपत्तियों की रक्षा करने की अपील की है।

आज राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल की मौजूदगी में प्रदर्शनकारी युवाओं और सेना के बीच औपचारिक बातचीत होनी है। मंगलवार रात शीतल निवास में सिग्देल और युवा प्रतिनिधियों के बीच अनौपचारिक चर्चा के बाद यह कदम उठाया गया है। मुख्य एजेंडा संसद को भंग करने, नई सरकार बनाने और चुनाव कराने का होगा। काठमांडू महानगर के मेयर बालेन शाह ने भी इस प्रस्ताव का समर्थन किया है।सवाल यह है कि क्या वे देश को इस संकट से निकाल पाएंगे?

अशोक राज सिग्देल के बारे में जानिए

1 फरवरी 1967 को रुपन्देही जिले में जन्मे अशोक राज सिग्देल 1986 में नेपाल सेना में शामिल हुए और अगले ही वर्ष उन्हें कमीशन मिला। उन्होंने चीन की नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी से स्ट्रैटेजिक स्टडीज में मास्टर डिग्री हासिल की है, साथ ही त्रिभुवन विश्वविद्यालय से एमए भी किया है। सिग्देल को नेपाल, चीन और भारत में उच्च स्तरीय सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त हुआ, जिसमें भारत का डिफेंस मैनेजमेंट कोर्स भी शामिल है।

कई अहम पद संभाले हैं

अपने लंबे करियर में वे इंस्पेक्टर जनरल, डायरेक्टर ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस के पद पर रहे और बटालियन से लेकर ब्रिगेड और डिवीजन तक का नेतृत्व किया। वे संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों के तहत यूगोस्लाविया, ताजिकिस्तान और लाइबेरिया में भी तैनात रहे।

सेना प्रमुख बनने तक का सफर

9 सितंबर 2024 को राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल ने उन्हें नेपाल का 45वां सेना प्रमुख नियुक्त किया। इसके बाद दिसंबर 2024 में भारत की आधिकारिक यात्रा पर उन्हें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भारतीय सेना का मानद जनरल बनाया। यह सम्मान नेपाल और भारत के ऐतिहासिक सैन्य संबंधों का प्रतीक है।

सेना से लेकर बालेन शाह तक... नेपाल का भविष्य तय करेगा ये 'त्रिकोण'

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में सोशल मीडिया बैन और भ्रष्टाचार के खिलाफ छिड़ा आंदोलन तीसरे दिन भी जारी है। राजधानी काठमांडू और आसपास के इलाकों में भड़की हिंसा में अब तक 22 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 400 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। हालात काबू से बाहर होते देख नेपाली सेना ने मंगलवार रात 10 बजे से देश की बागडोर अपने हाथ में ले ली।

इस बीच सबकी नजरें इस पर टिकी हैं कि नेपाल का भविष्य फिलहाल किनके हाथ में होगा। क्योंकिसंसद भंग कर नए चुनाव कराने की मांग तेज होती जा रही है। फिलहाल नेपाल का राजनीतिक भविष्य तीन ध्रुवों के इर्द-गिर्द घूमता दिख रहा है। आइए इसे विस्तार से समझते हैं।

आर्मी और अंतरिम सरकार का फॉर्मूला

फिलहाल पूरे नेपाल पर सेना का कंट्रोल हो गया है। आर्मी चीफ अशोक राज आज युवाओं से भी बात करने वाली है। सूत्रों के अनुसार, नेपाली सेना अब सिर्फ सुरक्षा संभालने तक सीमित नहीं रहना चाहती। वो राजनीतिक समाधान का हिस्सा बन सकती है। सेना और आंदोलनकारी युवाओं के बीच अंतरिम सरकार के फॉर्मूले पर चर्चा चल रही है।

युवाओं के हीरो- बालेन शाह पर भी नजर

काठमांडू के मेयर बालेन शाह युवाओं के बीच सबसे लोकप्रिय चेहरा बनकर उभरे हैं। आंदोलनकारियों का एक बड़ा हिस्सा उन्हें साफ-सुथरी राजनीति का प्रतीक मान रहा है। सूत्रों का कहना है कि बालेन शाह को अंतरिम सरकार का प्रधानमंत्री बनाने पर बातचीत आगे बढ़ रही है।

केपी शर्मा ओली के इस्तीफे के बाद उत्तराधिकारी की दौड़ में एक और जो नाम सबसे आगे चल रहा है, वो है रबी लामिछाने। जो कि पत्रकार और एंकर भी रह चुके हैं। रबी ने 2022 में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) की स्थापना की थी। आरएसपी ने खुलकर जेन जी के विरोध प्रदर्शन का समर्थन किया है। उनकी पार्टी के 21 सांसदों ने एकसाथ इस्तीफा देकर ओली पर इस्तीफे का दबाव बनाया, ऐसे में युवाओं का समर्थन भी रबी लामिछाने के साथ दिख रहा है।

राजशाही की वापसी की मांग तेज

इस राजनीतिक उथल-पुथल के बीच राजशाही समर्थक गुट भी सक्रिय हो गए हैं। उनका तर्क है कि लोकतंत्र असफल हो गया है, इसलिए अब कॉन्स्टिट्यूशनल मोनार्की की वापसी पर विचार होना चाहिए। आंदोलन के पहले दिन ही इसकी चर्चा जोर पर थी कि इस विद्रोह से राजशाही समर्थकों को मौका मिलेगा। लोकतंत्र फेल होने का हवाला देकर राजशाही की वापसी की मांग जोर पकड़ सकती है।

जेन-जी के प्रतिनिधि को भी मिल सकता है मौका

आंदोलन में युवाओं (GenZ) की भागीदारी को देखते हुए अंतरिम सरकार में जेन-जी के कुछ प्रतिनिधियों को शामिल करने पर सहमति बन रही है जिनकी छवि ईमानदार और भ्रष्टाचार-मुक्त रही है। यह कदम अंतरिम सरकार को राजनीतिक संतुलन देगा और पुराने दलों का पूरी तरह बहिष्कार करने से बचाएगा। मुख्यधारा की राजनीति से अगर किसी नेता को युवाओं का आंशिक समर्थन मिला है तो वे नेपाली कांग्रेस के शेखर कोइराला हैं। माना जा रहा है कि अंतरिम सरकार में उन्हें या उनके प्रतिनिधि को जगह देकर संतुलन साधने की कोशिश हो सकती है।

कतर के दोहा में इजराइल का हमला, हमास के टॉप नेता को बनाया निशाना

यरुशलम, एजेंसी। कतर की राजधानी दोहा में मंगलवार को इजरायल ने हमला किया। इस हमले का मकसद हमास के सबसे अहम टारगेट वरिष्ठ हमास नेता ख़ालिल अल-हय्या थे जो कि संगठन की रणनीतिक और राजनीतिक दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इजरायली अधिकारियों ने पुष्टि की है कि हमले में अल-हय्या समेत अन्य प्रमुख नेताओं को भी टारगेट किया गया था, लेकिन इसमें दोहा में मौजूद हमास की बातचीत में शामिल टीम इस हमले में सुरक्षित बच निकलने में सफल रही।

अल-हय्या की जिम्मेदारियां पिछले साल हमास के टॉप लीडर्स इस्माइल हानिया और गाजा प्रमुख याह्या सिनवार की मृत्यु होने से बढ़ गईं थीं। जिसके बाद संगठन ने एक पांच सदस्यीय नेतृत्व परिषद का गठन किया था जिसमें अल-हय्या को एक प्रमुख स्थान मिला। आज की तारीख में उन्हें हमास का सबसे प्रभावशाली नेता माना जाता है। जो संगठन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आवाज बन चुके हैं। 1960 में गाजा पट्टी में जन्मे ख़ालिल

अल-हय्या ने अपने जीवन में बहुत संघर्ष देखे। इजरायली हमलों के दौरान उन्होंने अपनों को खोने का गहरा दर्द सहा। उनके बड़े बेटे उसामा, बहू और नन्हे पोते-पोतियां इन हमलों में मारे गए। विशेष रूप से 2007 और 2014 के गाजा युद्धों में उनके परिवार को भारी नुकसान उठाना पड़ा था। अल-हय्या को इजरायली सुरक्षा बलों द्वारा कई बार हिरासत में लिया गया।

खलील अल-हय्या का हमास में योगदान

अल-हय्या ने अपनी राजनीतिक यात्रा 1980 के दशक की शुरुआत में मुस्लिम ब्रदरहुड से जुड़कर शुरू की। यही संगठन आगे चलकर हमास की बुनियाद बना। इस दौरान उन्होंने इस्माइल हानिया और याह्या सिनवार जैसे नेताओं के साथ मिलकर काम किया। जब 1987 में हमास ने औपचारिक रूप से अपने अस्तित्व की घोषणा की तब से अल-हय्या संगठन के एक प्रभावशाली और महत्वपूर्ण सदस्य बने रहे। अल-हय्या ने कुछ साल पहले कतर में अपनी मौजूदगी स्थापित की। वहीं से उन्होंने अरब और इस्लामी देशों के साथ हमास के संबंधों को संभाला। उनके ईरान के साथ मजबूत संबंध हैं। ईरान हमास को हथियार और आर्थिक सहायता देता है। 2014 के युद्ध में इजराइल और हमास के बीच सीजफायर करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। जुलाई 2024 में जब इस्माइल हानिया की तेहरान में हत्या हुई तब अल-हय्या भी उनके साथ मौजूद थे।

2022 में अल-हय्या दमिश्क गए थे वहां जाने का उनका मकसद सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल-असद के साथ रिश्तों को सुधारना था। करीब एक दशक पहले सीरिया से हमास के रिश्ते तब बिगड़ गए थे जब उसने असद के खिलाफ सुन्नी विद्रोह का समर्थन किया था। 7 अक्टूबर 2023 को हुए हमले को लेकर अल-हय्या ने साफ कर दिया कि उस हमले में लगभग 1,200 लोगों की मौत हो गई थी और 250 लोगों को अगवा किया गया था। हमले का मकसद इजरायली के सैनिकों को पकड़ना था जिसके कि जो बंदी फिलिस्तीनियों उनके बदले रिहा कराया जा सके। लेकिन हुआ कुछ और ही। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार अब तक 64,000 से ज्यादा फिलिस्तीनी की मौत हो चुकी है। अल-हय्या के अनुसार 7 अक्टूबर के एक्शन ने फिलिस्तीनी मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय एजेंडे पर प्रमुखता से ला दिया है।

भाजपा बोली- सीपी राधाकृष्णन को विपक्षी सांसदों ने भी दिया वोट, कांग्रेस ने साधा निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा ने मंगलवार को राजग उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन के भारत के नए उपराष्ट्रपति चुने जाने पर खुशी जताई और कहा कि यह चुनाव परिणाम उनकी व्यापक स्वीकार्यता का संकेत है, क्योंकि कई विपक्षी सांसदों ने भी अपनी अंतरात्मा की आवाज पर उन्हें वोट दिया। यह उम्मीद से कहीं बड़ी जीत मानी जा रही है, जिससे साफ है कि विपक्षी खेमे से भी क्रास वोटिंग हुई।

लोकसभा में भाजपा के मुख्य सचेतक संजय जायसवाल ने सभी मतदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राजग उम्मीदवार को 452 वोट इसलिए मिले क्योंकि कुछ विपक्षी सांसदों ने भी उनका समर्थन किया। उन्होंने दावा किया कि लगभग 40 विपक्षी सांसदों ने अंतरात्मा की आवाज सुनकर एनडीए के उम्मीदवार राधाकृष्णन को वोट दिया।

उन्होंने कहा, 'हम उनका भी आभार प्रकट करते हैं।' भाजपा सांसद ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व की भी सराहना की और कहा कि उपराष्ट्रपति पद के लिए राधाकृष्णन को उम्मीदवार बनाने का निर्णय सही साबित हुआ। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जो भी फैसला लिया जाता है, वह सही होता है। इसीलिए राजग उम्मीदवार की जीत हुई। उन्होंने आगे कहा, हमारी संख्या 427 थी, लेकिन हमें 452 वोट मिले। यह दिखाता है कि हमारे उम्मीदवार को व्यापक समर्थन मिला। रक्षा मंत्री

नई ऊंचाइयों को छुएगी राज्यसभा, मजबूत होंगी संसदीय परंपराएं: राजनाथ सिंह

राजनाथ सिंह ने कहा कि उन्हें भरोसा है कि राधाकृष्णन के नेतृत्व में राज्यसभा नई ऊंचाइयों को छुएगी और देश की संसदीय परंपराएं और अधिक मजबूत होंगी। राधाकृष्णन से मुलाकात के बाद भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि देश के प्रति उनकी निष्ठा, लंबे समय का प्रशासनिक और राजनीतिक अनुभव और राष्ट्रीय हित में निरंतर काम करने की भावना राज्यसभा की लोकतांत्रिक और सांविधानिक परंपराओं को और अधिक सशक्त और समृद्ध बनाएगी।

वेंकैया नायडू ने भी राधाकृष्णन को बधाई दी

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भी कहा कि उन्हें भरोसा है कि राधाकृष्णन अपने अनुभव और समझ से देश की संसदीय चर्चा को नई दिशा देंगे और लोकतंत्र को और समृद्ध करेंगे। पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने भी राधाकृष्णन को बधाई दी और कहा, तमिलनाडु से आने वाले राधाकृष्णन अनुशासन, समर्पण और ईमानदारी के प्रतीक हैं। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा ने सीपी राधाकृष्णन को बधाई दी और विश्वास जताया कि वह लोकतांत्रिक परंपराओं और संस्थाओं को मजबूत करने की दिशा में काम करेंगे।

उपराष्ट्रपति चुनाव में भाजपा की हुई नैतिक और राजनीतिक हार : कांग्रेस

कांग्रेस ने कहा है कि उपराष्ट्रपति चुनाव में भाजपा की "अंकगणितीय" जीत सत्तारूढ़ दल के लिए "नैतिक और राजनीतिक हार" है। विपक्ष ने बहुत ही सम्मानजनक प्रदर्शन करते हुए इस चुनाव में एकजुटता दिखाई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने चुनाव में जीत हासिल करने पर सीपी राधाकृष्णन को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विपक्षी उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी के प्रति उनके सैद्धांतिक संघर्ष के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने एक्स पर कहा कि यह चुनाव विचारधारा की लड़ाई थी। मुझे उम्मीद है कि नए उपराष्ट्रपति संसदीय परंपराओं के सर्वोच्च मूल्यों को बनाए रखेंगे। विपक्ष के लिए सम्मान सुनिश्चित करेंगे। वह सत्तारूढ़ दल के दबाव में नहीं आएंगे। उन्होंने कहा कि वरीयता क्रम में इस दूसरे सर्वोच्च संवैधानिक पद को लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए पुनर्जीवित किया जाना चाहिए। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष एकजुट था। भाजपा की अंकगणितीय जीत वास्तव में नैतिक और राजनीतिक हार है। वैचारिक लड़ाई अब भी जारी है।

कांग्रेस नेता राजेश ठाकुर ने भाजपा पर किया वार

कांग्रेस नेता राजेश ठाकुर ने कहा कि क्रास वोटिंग से पता चलता है कि भाजपा न केवल "वोट चोरी" में बल्कि वोट की डकैती में भी शामिल है। इस बीच, रेड्डी ने कहा कि मैं उपराष्ट्रपति चुनाव में हार को विनम्रतापूर्वक स्वीकार करता हूं। लोकतंत्र केवल जीत से नहीं बल्कि संवाद, असहमति और भागीदारी की भावना से मजबूत होता है।

'इंडी गठबंधन के सांसदों का विशेष धन्यवाद'

उपराष्ट्रपति चुनाव को लेकर रिजिजू का विपक्ष पर तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए और विपक्षी गठबंधन के मित्र सांसद एकजुट रहे। इसके लिए विपक्षी इंडी गठबंधन के सांसदों को विशेष धन्यवाद। मंगलवार को हुए उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन विजयी रहे हैं। चुनाव नतीजों के बाद ऐसा अनुमान है कि विपक्षी गठबंधन के कई सांसदों ने भी एनडीए उम्मीदवार के लिए वोट किया।

विपक्षी सांसदों को दिया विशेष धन्यवाद

किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि 'एनडीए और हमारे सभी मित्र सांसद एकजुट रहे। इंडी गठबंधन के कुछ सांसदों को भी विशेष धन्यवाद, जिन्होंने अपनी अंतरात्मा के आधार पर एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन को वोट दिया। उन सभी को धन्यवाद, जिन्होंने एक सच्चे देशभक्त को देश का नया उपराष्ट्रपति चुना।' भाजपा महासचिव बीएल संतोष ने दावा किया कि 'इंडी गठबंधन के उम्मीदवार को उनके कुल वोटों से 15 वोट कम मिले।'

कांग्रेस ने बताया- भाजपा की नैतिक और राजनीतिक हार

वहीं कांग्रेस ने विपक्षी उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी की जीत को सम्मानित करार दिया और कहा कि उन्हें उपराष्ट्रपति चुनाव में 40 प्रतिशत मत मिले। जयराम रमेश ने साल 2022 के चुनाव की तुलना करते हुए कहा कि उस समय विपक्षी गठबंधन के उम्मीदवार को 26 प्रतिशत मत मिले थे। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में बताया कि भाजपा की अंकगणितीय जीत असल में उसकी नैतिक और राजनीतिक हार है। वैचारिक लड़ाई जारी रहेगी। मंगलवार को हुए उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन को जीत मिली और वे देश के 15वें उपराष्ट्रपति चुने गए। सीपी राधाकृष्णन को 452 पहली प्राथमिकता वोट मिले। वहीं जस्टिस सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले। 15 वोट अमान्य घोषित किए गए।

अहान पांडे-अनीत पड्डा की सैयारा ओटीटी पर हो रही रिलीज, 12 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर होगी स्ट्रीम

सैयारा कृष (अहान पांडे) और वाणी (अनीत पड्डा) की इंटेंस लव स्टोरी पर बेस्ड है जो अलग-अलग दुनिया से आने के बावजूद प्यार में पड़ जाते हैं. फिल्म में आलम खान, गीता अग्रवाल, राजेश कुमार, वरुण बडोला, शाद रंधावा, सिड मक्कड़, शान ग्रोवर और नील दत्ता ने भी अहम रोल प्ले किया है. यशराज फिल्म्स के बैनर तले निर्मित इस फिल्म का निर्देशन मोहित सूरी ने किया है. बता दें कि मोहित अपनी सैड लेकिन इंटेंस लव स्टोरी वाली फिल्मों के लिए फेमस हैं जिन्हें फैंस ने खूब पसंद किया है. उन्होंने इससे पहले आवारापन, एक विलेन, आशिकी 2, वो लम्हे, राजः द मिस्टीरियस कंटीन्यूज़, मर्डर 2, हमारी अधूरी कहानी, मलंग और कई अन्य फिल्मों का निर्देशन किया है.

बालीवुड में सालों बाद रूहानी रोमांस का सिलसिला अनीत पड्डा और अहान पांडे की डेब्यू फिल्म सैयारा के साथ शुरू हुआ. इस फिल्म की कहानी और म्यूजिक ने दर्शकों का दिल जीत लिया. इसी के साथ इसने बाक्स आफिस पर धमाल मचा दिया और रिकार्ड तोड़ कलेक्शन किया. 50 दिनों का थिएट्रिकल रन पूरा करने के बाद अब ये फिल्म डिजिटल डेब्यू करने जा रही है. चलिए जानते हैं इसे ओटीटी पर कब और कहां देख सकेंगे?

यश राज फिल्म्स की रोमांटिक ड्रामा सैयारा 18 जुलाई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. अब ये अपने ओटीटी डेब्यू के लिए तैयार है. इस फिल्म ने न केवल अहान पांडे और अनीत पड्डा को रातों-रात स्टार बना दिया है बल्कि मेकर्स को भी शानदार कमाई से मालामाल कर दिया है. वहीं जो लोग इस फिल्म को थिएटर्स में देखने से चूक गए हैं वे इसे अब घर बैठे एंजाय कर सकते हैं. दरअस ऋसैयारा ओटीटी के दिग्गज प्लेटफार्म नेटफ्लिक्स पर 12 सितंबर, 2025 को रिलीज हो रही है.

सैयारा ने बाक्स आफिस पर खूब धूम मचाई है. इस फिल्म ने दुनियाभर में 576 करोड़ का कलेक्शन किया है. वहीं इस फिल्म ने भारत में 337.45 करोड़ का कलेक्शन किया है. इसी के साथ ये फिल्म साल की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म का रिकार्ड अपने नाम कर चुकी है.

दुलकर सलमान की कांथा का पहला गाना पनिमलरे रिलीज

निर्देशक सेल्वमणि सेल्वराज की बहुप्रतीक्षित पीरियड ड्रामा फिल्म कांथा के मेकर्स ने शनिवार को फिल्म का पहला रोमांटिक गाना पनिमलरे रिलीज कर दिया। इसके साथ ही फिल्म की रिलीज डेट का भी खुलासा किया है।

मेकर्स ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर गाने को पोस्ट करते हुए लिखा, हमारी फिल्म का पहला गाना पनिमलरे, अब रिलीज हो गया है। गाने की इस मनमोहक लय के साथ जुड़ें और 12 सितंबर को सिनेमाघरों में कांथा की कहानी जानें।

दुल्कर सलमान और भाग्यश्री बोर्से पर फिल्माए गए गीत को झानु चांथर और शिवम ने संगीत में पिरोया है। वहीं, इसके बोल कुट्टी रेवती ने लिखे हैं, जबकि अतिरिक्त बोल शिवम और दीपिका कार्तिक कुमार ने लिखे हैं। गाने को प्रदीप कुमार और प्रियंका एन.के. ने गाया है।

हाल ही में फिल्म का टीजर रिलीज हुआ था, जिसने दर्शकों के बीच काफी उत्साह बढ़ा दिया। टीजर की शुरुआत एक घोषणा के साथ होती है, जिसमें बताया जाता है कि फिल्म सान्था, जो कि माडर्न स्टूडियोज द्वारा बनाई जा रही है, तमिल सिनेमा की पहली हारर फिल्म होगी। अय्या (समुथिरकानी) इस फिल्म के लेखक और निर्देशक हैं, जबकि दुलकर सलमान इसमें हीरो हैं।

1950 के दशक के मद्रास की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म एक ड्रामा थ्रिलर है, जो उस दौर की परंपराओं और आधुनिकता के टकराव को दर्शाएगी। यह फिल्म दर्शकों को उस युग में ले जाएगी, जहां कहानी से जुड़ाव गहरा होता था। सूत्रों के मुताबिक, फिल्म में दमदार अभिनय, समृद्ध कहानी और शानदार विजुअल्स हैं।

कांथा का निर्माण स्पिरिट मीडिया और वायफरर फिल्म्स ने मिलकर किया है। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी मशहूर दानी सांचेज लोपाज ने की है। था. रामलिंगम आर्ट डायरेक्टर हैं और संपादन लेवलिन एंथनी गोंसाल्वेस ने किया है। यह फिल्म 12 सितंबर को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

वाहबिज दोराबजी को स्वाइप कल्चर से लगता है डर, बताया खुद का रिलेशनशिप स्टेटस

जब वाहबिज दोराबजी से पूछा गया कि क्या वह सिंगल हैं, तो अभिनेत्री ने बताया कि वह इस समय किसी को डेट नहीं कर रही हैं।

टीवी एक्ट्रेस वाहबिज दोराबजी का 2021 में एक्टर विवियन डीसेना से तलाक हुआ था। विवियन तो अपनी लाइफ में आगे बढ़ गए हैं, लेकिन उनकी पूर्व पत्नी वाहबिज दोराबजी का रिलेशनशिप स्टेटस क्या है, यह फैंस जानना चाहते हैं।

हाल ही में अभिनेत्री वाहबिज दोराबजी ने अपने रिलेशनशिप से लेकर करियर तक के बारे में खुलकर बातें की। इस दौरान उन्होंने बताया कि उन्हें स्वाइप कल्चर से क्यों डर लगता है और वो लाइफ में अब कैसा पार्टनर चाहती हैं।

जब वाहबिज दोराबजी से पूछा गया कि क्या वह सिंगल हैं, तो अभिनेत्री ने बताया कि वह इस समय किसी को डेट नहीं कर रही हैं।

उन्होंने कहा, मैं खुद पर, अपने करियर पर ध्यान केंद्रित कर रही हूं। रिश्तों के मामले में मैं बहुत पुराने जमाने की हूं। मैं 90 के दशक के प्यार में विश्वास करती हूं। मैं किसी ऐसे व्यक्ति को चाहती हूं जो मेरे जीवन में कुछ अर्थ जोड़े, जो मेरे बराबर का हो, महत्वाकांक्षी हो, फिर भी परिवार के प्रति समर्पित हो। मुझे आजकल के स्वाइप कल्चर से बहुत डर लगता है।

अपने करियर के बारे में बात करते हुए वाहबिज दोराबजी ने कहा, मैंने पहली बार प्यार की एक कहानी में अभिनय किया था, मुझे ठीक से साल भी याद नहीं, शायद यह 2011 के आसपास था। एक एक्ट्रेस के तौर पर, तब से मैं काफी आगे बढ़ी हूं। मजेदार बात यह है कि मैं कभी एक्ट्रेस नहीं बनना चाहती थी। मैं असल में एक माडल बनना चाहती थी। मैं पुणे वापस नहीं जाना चाहती थी। एक के बाद एक चीजें होती गईं और मैंने आडिशन देना शुरू कर दिया। बाकी तो इतिहास है। वह शो हुआ और मुझे एक्टिंग से प्यार हो गया। खुशकिस्मती से, वह सुपरहिट साबित हुआ और तब से मैंने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

टीवी इंडस्ट्री के बिजी शेड्यूल पर भी उन्होंने बात की। वाहबिज दोराबजी ने अपनी राय रखते हुए कहा, टेलीविजन बहुत ही डिमांडिंग इंडस्ट्री है। जब आप इस दुनिया में आते हैं तो आपको पता होता है कि आप क्या करने जा रहे हैं। कभी-कभी प्रसारण का दबाव होता है और आप अपने प्रोडक्शन को कम नहीं कर सकते। लेकिन सच्चाई यह है कि हमारा शरीर इतना दबाव नहीं झेल पाता। मेरा मानना है कि आज की दुनिया को एक संतुलित और समग्र जीवनशैली की जरूरत है।

उन्होंने यह भी कहा कि अगर काम का समय सीमित कर दिया जाए, तो कलाकारों के अभिनय में निखार आएगा, वे स्वस्थ रहेंगे, और उत्पादकता भी बढ़ेगी। इससे सबको फायदा

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com